दैनिक राष्ट्रीय गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com

राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 128 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रायपुर पहुंचीं। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने स्वामी विवेकानंद विमानतल पर पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

सुविचार

खुद से हारने का कोई सवाल नहीं है, अगर आप चाहें तो हमेशा जीत सकते हैं।

मप्र का बीना शहर पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री का बनेगा नया हब : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मुम्बई में तीन दिवसीय इंडिया केम-2026 में दिया संबोधन

प्रत्येक भव्य रसायन पार्क को केंद्र सरकार देगी 1000 करोड़ की सहायता : जेपी नड्डा



मुंबई,(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2014 से 2026 तक पेट्रोकेमिकल और रसायन सेक्टर में एक लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मिला है। प्रदेश का बीना शहर पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री का नया हब बन रहा है। बीना रिफायनरी में हर साल 22 लाख टन पेट्रोकेमिकल उत्पाद तैयार होंगे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव गुरुवार को मुंबई के बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में हो रहे तीन दिवसीय इंडिया केम 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीना में पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री विकसित होने से प्लास्टिक,पैकेजिंग, फॉर्मा,ऑटोमोबाइल जैसे उद्योगों के लिए जरूरी कच्चा माल और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए अवसर बनेंगे। हमारी सरकार बड़े उद्योगों के साथ छोटे और मझोले उद्योगों को प्रोत्साहित कर रही है। राज्य में प्लास्टिक आधारित उद्योगों को नई रफ्तार देने के लिए रायसेन जिले के तामोट में 121 एकड़, ग्वालियर में 93 एकड़ के अत्याधुनिक प्लास्टिक पार्क तैयार किए गए हैं। यहां प्लास्टिक पाइप्स सहित अन्य उत्पाद भी तैयार किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के एक बहुत बड़े देश के साथ आज पेट्रोकेमिकल सेक्टर में दशकों से लंबित अहम सौझा होने जा रहा है। इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और रसायन-उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा को बधाई देता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में हर क्षेत्र में व्यापार-व्यवसाय की गति दोगुनी हो गई है। वर्ष 2014 में देश का पेट्रोकेमिकल बाजार 120 अरब डॉलर था, जो वर्तमान में दोगुना से अधिक हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय मंत्री नड्डा के नेतृत्व में दुनिया इसका परिणाम देख रही है। उन्होंने कहा कि रसायन-पेट्रोकेमिकल सहित आधुनिक विनिर्माण क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मध्य प्रदेश में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। सभी सेक्टर में निवेशकों को समान रूप से प्रगति के अवसर मिल रहे हैं। प्रदेश अपनी असीम संभावनाओं के साथ उद्योग निवेश के महाकुंभ में अहम भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने इंडिया केम के इस 14वें संस्करण के सफल आयोजन के लिए केंद्र सरकार और फिक्की के सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने मुम्बई में तीन दिवसीय इंडिया केम-2026 में दिया संबोधन

प्रत्येक भव्य रसायन पार्क को केंद्र सरकार देगी 1000 करोड़ की सहायता : जेपी नड्डा

मुंबई। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि इंडिया केम-2026 के माध्यम से निकले मंथन से देश की पेट्रोकेमिकल और केमिकल इंडस्ट्री मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। केंद्र सरकार केवल ठोस नीतियां बना सकती है, लेकिन उन्हें धरातल पर उतारने में राज्य सरकारों की अहम भूमिका है। वैश्विक परिस्थितियों में हम अवसरों का लाभ उठाएं। केन्द्रीय मंत्री नड्डा गुरुवार को मुंबई के बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर में हो रहे तीन दिवसीय इंडिया केम 2026 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने इस मौके पर रसायन एवं पेट्रोकेमिकल सेक्टर में मध्य प्रदेश में उपलब्ध निवेश के अवसरों, अधोसंरचना एवं राज्य की नीति को निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों से साझा किए। केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि वर्तमान में भारत की पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्री का आकार 220 बिलियन डॉलर है। वर्ष 2040 तक हमने इसे एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। विकसित भारत 2047 तक देश की पेट्रोकेमिकल और रसायन इंडस्ट्री 1.6 ट्रिलियन डॉलर से आगे निकल जाएगी। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के सभी इंडस्ट्री लीडर्स के साथ मंथन और उनके सुझावों की जरूरत है। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भव्य रसायन पार्क के निर्माण के लिए हमें एक-एक हजार करोड़ रुपये (प्रति रसायन पार्क) की बड़ी धनराशि मिल रही है। केन्द्र सरकार ने इस योजना को अपने बजट में शामिल कर लिया है। विश्वस्तरीय भव्य रसायन पार्क विकसित करने के लिए आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृतियां भी केंद्र सरकार ही दिलाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोकेमिकल सेक्टर में पहले से स्थापित राज्यों को भी पूर्ण सहयोग प्रदान कर रही है। केन्द्र सरकार ने एडवांस पेट्रोकेमिकल और केमिकल सेक्टर में शोध और विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये के फंड डेवलपमेंट का प्रावधान किया है।

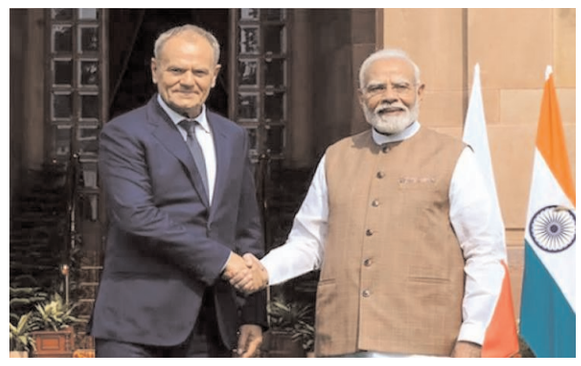
देश को अस्थिर करने की साजिश के तार विदेशों से जुड़े हैं : गौरव भाटिया

चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने की कोशिशों के पीछे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क



नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी देश में अराजकता फैलाने एवं चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने की कोशिशों के तार कई देशों में सत्ता परिवर्तन की एक अंतरराष्ट्रीय मुहिम से जुड़ने के खुलासे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस नेटवर्क से संदिग्ध संबंधों पर गहरी चिंता जताते हुए इसकी व्यापक जांच कराये जाने की मांग की तथा राहुल गांधी के गैरजिम्मेदाराना एवं अपरिपक्व व्यवहार की तीखी आलोचना की। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश में अराजकता फैलाने और चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने की कोशिशों के पीछे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय नेटवर्क की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उन्होंने फॉक्स न्यूज की डिजिटल जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि फ्रांस समेत कई देशों में 'रेजीम चेंज' यानी सत्ता परिवर्तन के लिए अराजकता और विरोध प्रदर्शनों का इस्तेमाल किए जाने के आरोपों के तार भारत में हो रही राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ते हैं। गौरव भाटिया ने राहुल गांधी को गैर-जिम्मेदार और अपरिपक्व बताया और उनके लिए 'गद्दार' और 'मीर जाफर' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भारत के नेता प्रतिपक्ष से जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में नौ देशों में सक्रिय 101 संगठनों के नेटवर्क का उल्लेख किया गया है, जिसे 'रेड-ग्रीन इकोसिस्टम ऑफ प्रोटेस्ट' कहा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस नेटवर्क के जरिए निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने की कोशिश की जाती है। हालांकि, इन आरोपों और कथित नेटवर्क की भूमिका की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। गौरव भाटिया ने फ्रांस स्थित संगठन 'इंडियन अलायंस पेरिस' का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि छह अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी से जुड़े विरोध प्रदर्शन और उनकी हिरासत से संबंधित सामग्री को इस संगठन ने सोशल मीडिया पर प्रमुखता से प्रसारित किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने संबंधित वीडियो साझा किए और राहुल गांधी के बयानों तथा हिरासत से जुड़ी खबरों को व्यापक स्तर पर प्रचारित करते हुए भारतीय लोकतंत्र की आलोचना की। भाजपा प्रवक्ता ने सवाल उठाया कि भारत में होने वाले राजनीतिक विरोध प्रदर्शनों को विदेशी संगठन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किस उद्देश्य से उठाते हैं। उन्होंने इसे भारत के आंतरिक मामलों में बाहरी हस्तक्षेप से जुड़ा गंभीर विषय बताया। भाटिया ने 'प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल' नामक संगठन का जिक्र करते हुए कहा कि यह खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय पूंजीवाद-विरोधी संगठन बताता है। उन्होंने फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि फ्रांस, स्पेन, अल्बानिया और भारत में हुए विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में इस संगठन की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं।

भारत और पोलैंड व्यापार दोगुना करने के साथ रक्षा क्षेत्र में करेंगे सहयोग : पीएम मोदी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के पीएम डोनाल्ड टस्क के बीच दिल्ली में हुई वार्ता

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत और पोलैंड 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करेंगे। पोलैंड भारत की पहल 'कोलिशन फॉर डिजास्टर रेसिलियंस इंफ्रास्ट्रक्चर' से जुड़ेगा। दोनों देश रक्षा उद्योग तथा आतंकवाद विरोधी संवाद स्थापित करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के बीच व्यापार के दोगुना होने से रोजगार सृजन और नए अवसर बढ़ेंगे। विकास, निवेश और उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। दोनों देशों के बीच रक्षा संवाद स्थापित होने से क्षेत्र से जुड़े उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ेगा। इसके माध्यम से दोनों देश विकास एवं सह-उत्पादन से जुड़े अवसर तलाशेंगे। रक्षा क्षेत्र में शोध एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और रक्षा सप्लाई चैन मजबूत होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के बीच गुरुवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि यह भारत-पोलैंड रणनीतिक साझेदारी में एक नया चरण है। आज दोनों नेताओं के बीच व्यापक वार्ता हुई है। वर्ष 2024 में स्थापित रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए दोनों नेताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित प्रौद्योगिकियों, महत्वपूर्ण खनिजों और रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते तलाशे, साथ ही व्यापार, निवेश, शिक्षा, संस्कृति और जन-समुदायों के बीच आदान-प्रदान के माध्यम से संबंधों को और गहरा किया। दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की। नेताओं ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के महत्व पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित वैश्विक संस्थानों के सुधार और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। पोलैंड के प्रधानमंत्री की यात्रा पर आयोजित विशेष ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के पश्चिमी मामलों के सचिव सिबी जॉर्ज ने बताया कि भारत और पोलैंड ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 6.3 अरब अमेरिकी डॉलर का है। पोलैंड में भारतीय निवेश तीन अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। दोनों देश इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाश रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष गोपनीय सूचनाओं की सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों, अभिलेखागार, संस्कृति, विज्ञान और उच्च शिक्षा से जुड़े समझौतों को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने पोलिश कंपनियों को मेक इन इंडिया कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया। दोनों नेताओं ने आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर जोर दिया। पोलैंड ने सुधारित और विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और पोलैंड ने रक्षा,अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग प्रगाढ़ करने पर सहमति जताई है।

इंस्टाग्राम पर सोनिया गांधी का डेब्यू,किताब बिलॉन्गिंग की दिखाई झलक

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर डेब्यू किया और अपनी आने वाली किताब बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव का पहला लुक शेयर किया। यह किताब 10 नवंबर को जारी होने वाली है। सोनिया गांधी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, हेलो एवरीवन,मैं आप सभी के साथ यह पल साझा करते हुए वास्तव में आभारी हूं, बिलॉन्गिंग ए जर्नी ऑफ लव की पहली झलक। यह प्यार, कर्तव्य, नुकसान और अपनेपन की जगह खोजने की कहानी है। मैं इसे आप सभी के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं। सोनिया गांधी द्वारा शेयर किए गए वीडियो में दिख रहा है कि जब प्रकाशक किताब की हार्डबाउंड कॉपियां लेकर पहुंचे, तो सोनिया गांधी ने कहा, आप बहुत भारी वजन उठा रही हैं। इसके बाद उन्हें किताब की पहली कॉपी और मिठाई का डिब्बा दिया गया। वीडियो में सोनिया गांधी मुस्कुराते हुए किताब के साथ पोज देती नजर आईं जबकि आसपास मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर उन्हें बधाई दी। किताब को पलटते हुए और सोनिया गांधी ने कहा, बहुत सारी तस्वीरें हैं, प्रियंका। इसके बाद उन्होंने किताब अपनी बेटी को दिखाई। एक अन्य फ्रेम में प्रियंका गांधी अपनी मां को मिठाई खिलाती हुई नजर आईं और दोनों गले मिलते हुए दिखाई दीं। खास बात यह है कि सोनिया गांधी ने इस पोस्ट में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और प्रकाशक हार्पर कॉलिन्स इंडिया के साथ कोलैब किया है। इस खबर को लिखे जाने तक वीडियो की रीच 10 लाख से अधिक तक पहुंच गई है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में भाजपा कार्यकर्ता की बेरहमी से हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक-बहुल मालदा जिले में बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने गुरुवार को घटना की पुष्टि की। यह घटना बुधवार रात की है। मृतक की पहचान समीर घोष के रूप में हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा,अभी तक मिली जानकारी के अनुसार,हत्यारों के एक ग्रुप ने पहले समीर घोष की बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद,उसकी मौत पक्की करने के लिए,उसे पास से गोली मारी गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलने के बाद बुधवार रात जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस घटना में शामिल लोगों की जांच की जा रही है। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। समीर घोष के परिवार वालों ने तृणमूल कांग्रेस से जुड़े स्थानीय बदमाशों पर हत्या के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है। परिवार वालों का कहना है कि समीर घोष भाजपा से जुड़े थे। इसी कारण उन्हें निशाना बनाया गया। हालांकि,स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने आरोपों से इनकार किया है। इस घटना के बाद इलाके में बहुत ज्यादा तनाव है। पता चला है कि यह घटना बुधवार रात मालदा जिले के इंग्लिश बाजार पुलिस स्टेशन के रामकेली इलाके में हुई।

दाऊद को भारत में रहने वाला बताने पर भारत ने जताया कड़ा विरोध

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक विशेष विशेषज्ञ की रिपोर्ट का कड़ा विरोध जताया



नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के एक विशेष विशेषज्ञ की उस रिपोर्ट का कड़ा विरोध जताया है, जिसमें वांछित आतंकवादी दाऊद इब्राहिम को भारत में रहने वाला बताया गया। भारत ने कहा कि इस तरह की गलत जानकारी संयुक्त राष्ट्र की साख को गंभीर नुकसान पहुंचाती है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को आतंकवाद और मानवाधिकार मामलों के विशेष रिपोर्टर बेन सॉल की जुलाई में जारी रिपोर्ट की आलोचना की। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में गंभीर और साफ दिखाई देने वाली गलतियां हैं और इसे तैयार करने में अयोग्यता दिखाई गई है। विशेष रिपोर्टर सीधे संयुक्त राष्ट्र से वेतन नहीं लेते और उनसे स्वतंत्र रूप से काम करने की अपेक्षा की जाती है। यूएन वॉच नामक निगरानी संगठन के एक डेटाबेस के अनुसार, बेन सॉल को चीन से 1,50,000 डॉलर की फंडिंग मिली है। यूएन वॉच के मुताबिक, सिडनी विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रोफेसर और ऑस्ट्रेलियन रिसर्च काउंसिल फ्यूचर फेलो रहे सॉल को कुल मिलाकर 1.7 मिलियन डॉलर का वित्तीय सहयोग मिला है। इस फंडिंग में उनके विश्वविद्यालय के अलावा अमेरिका के तीन विश्वविद्यालयों तथा स्विट्जरलैंड और स्पेन की संस्थाओं का भी योगदान बताया गया है। बेन सॉल की रिपोर्ट में दाऊद इब्राहिम को आतंकवादी संबंधों वाले भारत-आधारित डी-कंपनी आपराधिक गिरोह का सरगना बताया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उसे अल-कायदा से संबंध रखने के कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध सूची में डाला गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रघु पुरी ने कहा,अगर इस लाइन को अकेले पढ़ा जाए तो यह वास्तविक स्थिति से बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करती है। उन्होंने कहा कि डी-कंपनी और उसका प्रमुख दाऊद इब्राहिम 1993 से भारत में हुए आतंकी हमलों के मामलों में वांछित हैं। पुरी के मुताबिक, सुरक्षा परिषद की 1267 प्रतिबंध व्यवस्था के तहत जारी आधिकारिक विवरण में यह बात साफ तौर पर दर्ज है, लेकिन सॉल ने इसे अपनी रिपोर्ट में शामिल नहीं किया। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट में यह भी नहीं बताया गया कि दाऊद इब्राहिम भारत के बाहर रहता है और भारत उसे लंबे समय से आतंकवादी के रूप में तलाश रहा है। इस तथ्य का जिक्र न करना दुर्भाग्यपूर्ण है। ऐसे विशेष पदाधिकारियों की यह अयोग्यता संयुक्त राष्ट्र को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाती है। भारत के आग्रह पर दाऊद इब्राहिम के खिलाफ इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके तहत दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को उसकी तलाश और गिरफ्तारी के लिए सतर्क रहने को कहा गया है। पुरी ने कहा, रिकॉर्ड के लिए मैं बताना चाहता हूं कि दाऊद इब्राहिम 2003 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किए जाने से काफी पहले भारत से भाग चुका था। भारत से बाहर रहते हुए ही उसे अल-कायदा और ओसामा बिन लादेन से संबंधों के कारण प्रतिबंधित सूची में शामिल किया गया था।

भारत सरकार लद्दाख के साथ नहीं कर रही है अच्छा व्यवहार : वांगचुक

नई दिल्ली। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्र पर लद्दाख के लोगों से किए गए वादों से बार-बार पीछे हटने का गंभीर आरोप लगा दिया है। अपने वीडियो संदेश में वांगचुक ने कहा केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 22 अक्टूबर को वार्ता का आश्वासन देने के बाद वे दिल्ली पहुँचे थे, लेकिन अब बातचीत से इंकार किया जा रहा है। केंद्र सरकार अपने वादों से मुकर रही है, जिसमें लद्दाख को छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा देने का मुख्य वादा भी शामिल है। वांगचुक ने कहा कि इस संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र के लोग बहुत आहत और दुखी हैं। एक ओर चीन का दबाव है जो लद्दाख पर अपना दावा ठोकता है,वहीं दूसरी ओर जिस भारत से यहाँ के लोगों को गहरा लगाव है, वह भी उनके साथ सही व्यवहार नहीं कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लद्दाख के नागरिकों को देश के अन्य लोगों के समान लोकतांत्रिक अधिकार नहीं दे रही है। लद्दाख की जनता को अपने प्रतिनिधियों और वोट के माध्यम से अपनी आकांक्षाएं जाहिर करने के लोकतांत्रिक अधिकार से लगातार वंचित रखा जा रहा है।

जेल से छूटते ही मिला समन, सौरभ दास-आशुतोष की नहीं घटीं मुश्किलें

मजिस्ट्रेट कोर्ट से मिली थी राहत,क्राइम ब्रांच ने पूछताछ के लिए किया तलब



नई दिल्ली,(एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता सौरभ दास और आशुतोष रांका को जमानत मिलने के बाद भी राहत की सांस नहीं मिल सकी है। तिहाड़ जेल से बाहर कदम रखते ही दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने दोनों नेताओं को नया समन थमा दिया और उन्हें आज पूछताछ के लिए राजौरी गार्डन स्थित दफ्तर में तलब किया गया है,जहां क्राइम ब्रांच की टीम ने दोनों से हिंसक प्रदर्शन का लेकर पूछताछ की है। कल बुधवार रात करीब 8.30 बजे जब दोनों नेता अपनी रिहाई की औपचारिकताएं पूरी कर जेल के मुख्य गेट से बाहर निकल रहे थे,तभी वहां पहले से मौजूद क्राइम ब्रांच की टीम ने उन्हें गुरुवार दोपहर 12 बजे पेश होने का सख्त निर्देश जारी कर दिया था। इससे पहले बुधवार दोपहर स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट (एसईएम) की अदालत से सीजेपी नेताओं को बड़ी कानूनी राहत मिली थी। दिल्ली पुलिस द्वारा हिरासत की अवधि आगे बढ़ाने की याचिका को कोर्ट ने सिरे से खारिज करते हुए दोनों नेताओं की जमानत अर्जी स्वीकार कर ली थी। हालांकि,जेल के गेट पर ही क्राइम ब्रांच द्वारा नया कानूनी नोटिस थमाए जाने से साफ हो गया है कि दोनों नेताओं के खिलाफ शिकंजा अभी और कसने वाला है और उनकी कानूनी परेशानियां फिलहाल खत्म नहीं हुई हैं। पूरा विवाद 13 और 14 अक्टूबर की घटनाओं से जुड़ा है,जब सौरभ दास और आशुतोष रांका को पार्लियामेंट स्ट्रीट थाना पुलिस ने हिरासत में लिया था। आरोप है कि दोनों नेता जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल से डीनोटिफाई किए जाने के बावजूद बिना प्रशासनिक अनुमति के प्रतिबंधित इलाके में जबरन प्रदर्शन करने पहुंच गए थे। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने पहले से भरे गए शांति बॉन्ड (पीस बॉन्ड) की शर्तों का खुला उल्लंघन किया, सुरक्षा बैरिकेड्स तोड़े और कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती खड़ी की। इस सिलसिले में पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई थीं। मामले की गंभीरता, सार्वजनिक सुरक्षा और राजनीतिक संवेदनशीलता को देखते हुए दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने दोनों एफआईआर की विस्तृत जांच स्थानीय थाने से हटाकर सीधे क्राइम ब्रांच को सौंप दी है।

मप्र से राज्यसभा की एक सीट पर उपचुनाव का ऐलान, 12 नवंबर को होगा मतदान

एल.मुरुगन के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई सीट,26 अक्टूबर को जारी होगी अधिसूचना

भोपाल। राज्यसभा से डॉ. एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद मध्य प्रदेश से रिक्त हुई एक सीट पर उपचुनाव का ऐलान हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग ने गुरुवार चुनाव कार्यक्रम जारी कर दिया। इस सीट पर 12 नवंबर को मतदान होगा और इसी दिन शाम 5 बजे मतगणना की जाएगी। डॉ.एल. मुरुगन सरकार में मंत्री भी थे। वे 3 अप्रैल 2024 को मध्य प्रदेश से राज्यसभा सदस्य बने थे,उनका राज्यसभा का कार्यकाल 2 अप्रैल 2030 तक था, लेकिन उन्होंने 14 अक्टूबर को केन्द्रीय मंत्रिमंडल के साथ ही राज्यसभा की सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक सीट रिक्त हो गई। इस रिक्त सीट को भरने के लिए आज निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनाव की अधिसूचना 26 अक्टूबर को जारी होगी। उम्मीदवार 2 नवंबर तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी,जबकि उम्मीदवार 5 नवंबर तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। इस सीट पर 12 नवंबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद उसी दिन शाम 5 बजे से मतगणना की जाएगी। निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर तक पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की कुल 11 सीटें हैं। इनमें आठ पर भाजपा और तीन पर कांग्रेस के सांसद थे। एल मुरुगन के इस्तीफा के बाद भाजपा के कोटे की एक सीट रिक्त हुई है। मध्य प्रदेश विधानसभा में कुल 230 सदस्य हैं। यदि सभी विधायक मतदान करें और कोई मत अवैध न हो, तो एक राज्यसभा सीट के चुनाव में जीत के लिए आवश्यक मतों का कोटा 116 होगा।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

अवैध फायर आर्म्स तस्करी के विरुद्ध खरगोन पुलिस ने की बड़ी कार्यवाही



पुलिस ने कार से अवैध हथियारों का परिवहन करते 04 आरोपीयो को किया गिरफ्तार

खरगोन-पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इंदौर (ग्रामीण) श्री अनुराग एवं उप पुलिस महानिरीक्षक निमाड रेंज खरगोन सुश्री सिमाला प्रसाद के द्वारा अवैध हथियारों के निर्माण, अवैध खरीदी-बिक्री एवं तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था । उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री रविन्द्र वर्मा के निर्देशन व अति. पुलिस अधीक्षक खरगोन (शहर) श्री बिट्टु सहगल के मार्गदर्शन में जिला खरगोन के समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस व थाना प्रभारियों को मुखबिर तंत्र को सक्रिय कर अवैध फायर आर्म्स पर पैनी निगाह रखने एवं अवैध फायर आर्म्स के नेटवर्क को चिन्हित कर उसे ध्वस्त कर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी क्रम में थाना मेनगांव की पुलिस टीम के द्वारा अवैध हथियार का परिवहन करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की है । दिनांक 21.10.2026 को थाना मेनगांव पर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि, एक सफेद रंग की कार क्र. MP09BH6349 है जिसके पिछे सावरिया सेठ लिखा है । कार में चार व्यक्ति बैठे है जो अवैध देशी पिस्टल लेकर खण्डवा तरफ से गंधवानी तरफ लेकर जाने वाले है । मुखबिर की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी मेनगांव निरीक्षक श्री मंशाराम रोमड़े व थाना प्रभारी कोतवाली खरगोन श्री बनवारी लाल मण्लोई के नेतृत्व में संयुक्त पुलिस टीम का गठन किया गया एवं मुखबिर की सूचना से पुलिस टीम को अवगत करवाकर तत्काल सूचना अनुसार आरोपी की धरपकड़ कर वैधानिक कार्यवाही करने हेतु रवाना किया गया । पुलिस टीम के द्वारा कसरावद रोड़ लुला बाबा फाटा यात्री प्रतीक्षालय के सामने सघन नाकाबंदी की गई एवं मुखबिर के बताए अनुसार सफेद रंग की कार का आने का इंतजार किया गया । थो?ी देर बाद पुलिस टीम को सफेद रंग की कार आते दिखाई दी । जिसे तत्काल पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा । पुलिस टीम के द्वारा कार में बैठे चारों व्यक्तियों से नाम पता पूछने पर उन्होंने अपने नाम रोहित गेहलोद, हर्ष राठौर, प्रितेश मौर्य और शिवराम मौर्य सभी निवासी जिला धार होना बताया । पुलिस टीम द्वारा कार की विधिवत तलाशी लेने पर कार के अंदर एक सफेद रंग की प्लास्टिक की थैली में 14 देशी पिस्टल और 05 अतिरिक्त मैगज़ीन बरामद हुई । आरोपियों से हथियार रखने के संबंध में लाइसेंस या दस्तावेज का पूछने पर कोई लाइसेंस या दस्तावेज नहीं होना बताया । पुलिस टीम के द्वारा आरोपीगण 1. रोहित पिता नरेन्द्र गेहलोद उम्र 24 वर्ष निवासी अवलीपुरा थाना गंधवानी जिला धार 2. हर्ष पिता सुरेश राठौर उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम जामली थाना गंधवानी जिला धार 3. प्रितेश पिता जामसिंह मोर्य उम्र 24 वर्ष निवासी धनखेडी थाना मनावर जिला धार. 4. शिवराम पिता सिताराम मोर्य उम्र 26 साल निवासी धनखेडी थाना मनावर जिला धार को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 14 देशी पिस्टल मय मैकजीन व 05 अतिरिक्त मैकजीन को विधिवत जप्त कर आरोपियो के विरुद्ध थाना मेनगांव पर अपराध क्रमांक 278/26 धारा 25 (1) आर्म्स एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है ।

शामगढ़ में उद्यम संवाद, तोलाखेड़ी में जन संवाद शिविर आज

गरोठ विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का होगा निराकरण

मंदसौर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत 23 अक्टूबर को गरोठ विकासखंड में उद्यम संवाद और जन संवाद शिविर आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर दिव्यांक सिंह के मार्गदर्शन में होने वाले इन शिविरों में नागरिकों की समस्याओं और शिकायतों का निराकरण करने के साथ ही उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। शिविरों में जनप्रतिनिधियों के साथ जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। अभियान के तहत शुक्रवार को सुबह 10 बजे आईटीआई शामगढ़ में उद्यम संवाद शिविर आयोजित होगा। वहीं, ग्राम तोलाखेड़ी में जन संवाद शिविर के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याएं सुनी जाएंगी। राजस्व, ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी रहेगी। कलेक्टर ने क्षेत्र के नागरिकों और ग्रामीणों से अपील की है कि वे शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखें, ताकि उनका समाधान किया जा सके। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अधिकारियों द्वारा गरोठ विकासखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण भी किया जाएगा। इसमें गरोठ, भटूनी, किलगारी, बापच्या, तोलाखेड़ी, चंदवासा, गरड़ा, बंजारीचंदवासा, बरखेड़ानायक, पिछला, असावती, बर्डियापूना, बनी, कुरावन, बरखेड़ागांगासा, एरिया, पीपलखेड़ा, सूरजना, बर्रामा, सेमरोल, खड़ावदा, देथलीखुर्द, देथलीबुजुर्ग, गारियाखेड़ी, पिपलिया राजा, ढलमू, ढाबा, चचावदा पठारी और मोलाखेड़ी बुजुर्ग सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। तोलाखेड़ी ग्राम पंचायत भवन को जन संवाद शिविर के लिए निर्धारित किया गया है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुनकर संबंधित विभागों के माध्यम से उनका निराकरण सुनिश्चित करना है।.

रन्हाई कला में अवैध पटाखा भंडारण पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

हरदा। कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के निर्देशानुसार तहसील हरदा के ग्राम रन्हाई कला में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किए जाने की सूचना पर राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा त्वरित संयुक्त कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर बड़ी मात्रा में अवैध पटाखों का भंडारण पाया गया, जिस पर नियमानुसार प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। संयुक्त कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी श्री शैलेंद्र बैड़ोनिया, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सुश्री शालिनी परस्ते, तहसीलदार हरदा श्री महेंद्र चौहान, कोतवाली थाना प्रभारी हरदा एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आगामी दीपावली त्यौहार को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में अवैध पटाखा निर्माण, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सख्त निगरानी रखी जा रही है तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सफलता की कहानी : महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनीं वैजंती सेन

विदिशा। जिले की लटेरी तहसील के ग्राम नेवली निवासी श्रीमती वैजंती सेन आज महिला आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार की प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी हैं। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के साथ स्वयं सहायता समूह से जुड़कर स्वरोजगार का रास्ता अपनाया और सेंट्रिंग सिलाई कार्य को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया है। आज वे इस कार्य से प्रतिमाह 15 हजार रुपए से अधिक की आय अर्जित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। श्रीमती वैजंती सेन गणेश स्व सहायता समूह की सक्रिय सदस्य हैं। स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार को विस्तार देने के लिए ब्याजमुक्त ऋण की सुविधा प्राप्त हुई। उन्होंने उपलब्ध वित्तीय सहायता का सदुपयोग करते हुए अपने कार्य को आगे बढ़ाया। उन्हें प्रथम चरण में 1 लाख, द्वितीय चरण में 3 लाख तथा तृतीय चरण में 6 लाख का ऋण प्राप्त हुआ। वित्तीय सहयोग मिलने के बाद श्रीमती वैजंती सेन ने सेंट्रिंग सिलाई कार्य को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया। उनके निरंतर परिश्रम और कार्य के प्रति समर्पण से आज यह काम उनकी नियमित आय का माध्यम बन चुका है।

पुराने लेनदेन के विवाद में चाचा-भतीजे पर हमला, एक के सिर में 10 टांके, दूसरे का पैर फ्रैक्चर

मुलतानपुरा में पांच लोगों पर मारपीट, तलवार से हमला और जान से मारने की धमकी देने के आरोप

मंदसौर। वायडी नगर थाना क्षेत्र के मुलतानपुरा में पुराने लेनदेन के विवाद में चाचा-भतीजे पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पांच लोगों ने रास्ते में रोककर दोनों के साथ मारपीट की और तलवार से हमला कर दिया। घटना में आबिद गुल्ला (35) के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उन्हें 10 टांके लगाए गए, जबकि उनके नाबालिग भतीजे अरशान गुल्ला का पैर फ्रैक्चर हो गया। दोनों घायलों का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। परिजनों के अनुसार, आबिद गुल्ला अपने भतीजे अरशान के साथ मोटरसाइकिल से अपनी मां की माइंस पर जा



रहे थे। इसी दौरान मुलतानपुरा में इजहार मथारिया, मकसूद, तालिब, शाहरुख और मोहसिन ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि पुराने लेनदेन को लेकर विवाद करते हुए पांचों ने गाली-गलौज की और लात-घूंसों से मारपीट की। इस दौरान तलवार से हमला किए जाने का भी आरोप है। परिजनों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच पहले भी लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था, जिसका निपटारा हो चुका था। इसके बावजूद विवाद की स्थिति बनी हुई थी। आबिद के पिता ने आरोप लगाया कि हमलावरों के पास बंदूक भी थी और उन्होंने पुराने लेनदेन का हवाला देकर रुपए मांगे। घायलों के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और घायलों के बयान दर्ज कर कार्रवाई की। सहायक उप निरीक्षक जगदीश ठाकुर के अनुसार, मामले में जांच की जा रही है।प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विद्युत भार (लोड) स्वीकृत करवायें एवं जुर्माने से बचें

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इन दिनों निम्नदाब के गैर घरेलू और औद्योगिक (पॉवर) उपभोक्ताओं के परिसरों का व्यापक चैकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के दौरान उपभोक्ता परिसर में विद्युत भार (लोड) में वृद्धि के प्रकरण पकड़े जा रहे हैं। कंपनी द्वारा विद्युत भार की वृद्धि स्वेच्छा से कराने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने का अभियान इन दिनों चलाया जा रहा है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कंपनी के पोर्टल पर स्वेच्छिक ऑनलाइन आवेदन कर भार वृद्धि करा लें। कंपनी ने उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए इस संबंध में कुछ जानकारी साझा की है जैसे...

1. विद्युत भार क्या है ड़

बिजली कंपनी में नवीन कनेक्शन के लिए जब कोई व्यक्ति अधिकृत आवेदन देता है तो उसके परिसर में भार (लोड) की गणना कर भार निर्धारित किया जाता है। इस प्रक्रिया में नया कनेक्शन देने के लिए बिजली कर्मचारी परिसर का लोड सर्वे करते हैं। यह भार (लोड) विद्युत प्रणाली में जोड़ा जाता है इसलिए इसे संयोजित भार या कनेक्टेड लोड कहा जाता है।

2. भार की सही गणना।

उपभोक्ता को बिजली कंपनी के साथ सहयोग कर भार की सही गणना कराना चाहिए ताकि विद्युत प्रणाली सुचारू रूप से संचालित की जा सके। उपभोक्ता द्वारा परिसर में कनेक्शन लेने के कुछ अन्तराल बाद कुछ नये विद्युत उपकरणों को स्थापित कर भार बड़ा लिया जाता है। यह बड़ा भार बिजली कंपनी के कार्यालय में यदि स्वीकृत नहीं कराया जाता है तो चैकिंग के दौरान भार वृद्धि का प्रकरण बन जाता है और उपभोक्ता को जुर्माना भरना पड़ता है।

3. चैकिंग में पकड़े जाने पर जुर्माना।

यदि उपभोक्ता के परिसर में भार वृद्धि का प्रकरण मिलता है तो ऐसे उपभोक्ताओं पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है। जिसके अनुसार बड़े हुए भार की अनुपातिक खपत पर दो गुनी दर से शुल्क वसूली का प्रावधान है। साथ ही विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 के अंतर्गत भी चैकिंग में अतिरिक्त भार पाए जाने पर ऐसे अतिरिक्त भार को संयोजित करने की दिनांक से बड़े हुए भार की अनुपातिक खपत पर दुगुनी दर से पेनाल्टी लगाने का प्रावधान है।

4. विद्युत भार वृद्धि = क्या करें।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी उपभोक्ताओं से आग्रह करती है कि वे बिजली कंपनी के सरल संयोजन पोर्टल saralsanyojan.mpcz.in:}}}}/home पर ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें। ऑनलाइन आवेदन में विद्युत उपकरणों एवं उनके भार की जानकारी दिया जाना आवश्यक है। उपभोक्ता द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने पर एवं रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करने पर कंपनी द्वारा आगे भार स्वीकृत कर दिया जाता है। उपभोक्ता को चाहिए कि वे लाईसेंसी ठेकेदार से गणना करा कर यदि आनलाइन भार वृद्धि /कमी प्रस्तुत करेंगे तो उन्हें अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अपने सभी सम्माननीय उपभोक्ताओं से अपील करती है कि वे आनलाइन सुविधा का लाभ लेकर अपने परिसर के वास्तविक भार के अनुसार अपना संयोजित भार स्वीकृत करवायें।

निजी क्लिनिक में युवक की मौत का मामला: निष्पक्ष जांच, मुआवजे और नौकरी की मांग



राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना मार्शल कौम ने सौंपा ज्ञापन, उपचार रिकॉर्ड और सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की भी उठाई मांग

मंदसौर। निजी अस्पताल विनय दीप क्लिनिक में उपचार के दौरान अनुसूचित जाति के युवक लखन उठवाल की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को राहत दिलाने की मांग उठी है। गुरुवार को राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना मार्शल कौम के नेतृत्व में समाजजनों ने जिला कलेक्टर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन सौंपने से पहले समाजजन संजय गांधी उद्यान में एकत्र हुए। यहां से वाहन रैली के रूप में सुशासन भवन पहुंचकर प्रशासन को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम निरधारी, थाना दलौदा निवासी लखन पिता पप्पू उठवाल की निजी क्लिनिक में उपचार के दौरान मौत हो गई थी। परिजनों ने आशंका जताई कि घटना दवा की अधिक मात्रा, गलत दवा दिए जाने अथवा उपचार और निगरानी में लापरवाही के कारण हुई हो सकती है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा जांच के बाद ही हो सकेगा। ज्ञापन में कहा गया कि लखन परिवार में कमाने वाले इकलौते सदस्य थे। उनकी असामयिक मृत्यु से परिवार के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने के साथ स्वतंत्र चिकित्सा विशेषज्ञों की समिति गठित कर उपचार में संभावित लापरवाही की पड़ताल करने की मांग की। साथ ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए नियमानुसार पोस्टमार्टम, विसरा संरक्षण और टॉक्सिकोलॉजी जांच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। राष्ट्रीय वाल्मीकि सेना मार्शल कौम ने विनय दीप क्लिनिक के उपचार संबंधी सभी रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित रखने तथा संबंधित डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और कर्मचारियों की भूमिका की गहन जांच कराने की मांग भी की। संगठन का कहना है कि जांच में जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाए। इसके अलावा पीड़ित परिवार को नियमानुसार सरकारी राहत और उचित मुआवजा देने तथा पात्रता के आधार पर परिवार के एक योग्य सदस्य को शासकीय नौकरी उपलब्ध कराने की मांग की गई। यदि जांच में जाति आधारित भेदभाव या उत्पीड़न के तथ्य सामने आते हैं तो संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई करने की मांग भी ज्ञापन में शामिल है। इस दौरान वाल्मीकि सेना मार्शल कौम के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं वाल्मीकि समाज अध्यक्ष राजाराम तंवर, पटेल मुकेश चनाल, प्रदेश महामंत्री विनोद खेरालिया, प्रदेश उपाध्यक्ष विजय पथरोड, मनोज बाली, वाल्मीकि सेना जिला अध्यक्ष हेमा कंडारे, जिला कार्यवाहक अध्यक्ष मनोहर फतरोड़ और जिला उपाध्यक्ष पारस जादू सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

धमनार में रावण की नाक पर मुक्का मारकर वध: 129 साल पुरानी परंपरा

मंदसौर। जिले के ग्राम धमनार में बुधवार देर शाम 51 फीट ऊंचे रावण की नाक पर मुक्का मारकर उसके वध की 129 साल पुरानी परंपरा निभाई गई। इस बार अरुण माली ने रावण की नाक पर मुक्का मारकर वध की रस्म पूरी की। दशहरे पर 20 अक्टूबर को होने वाला आयोजन बारिश के कारण स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद बुधवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों और आसपास के क्षेत्रों से आए लोगों की मौजूदगी में राम और रावण की सेनाओं के बीच प्रतीकात्मक युद्ध हुआ। इसमें दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर जलते हुए टोकरे और पटाखे फेंकते हैं। युद्ध तब तक चलता है, जब तक राम की सेना का कोई युवक रावण की नाक तक पहुंचकर उस पर मुक्का नहीं मार देता। रावण की सेना रोकती है नाक तक पहुंचने का रास्ता धमनार में दशहरे पर राम और रावण की सेनाओं के बीच युद्ध का आयोजन किया जाता है। इसमें राम की सेना मैदान में रहती है, जबकि रावण की सेना उसकी 51 फीट ऊंची प्रतिमा पर खड़ी होकर राम की सेना के लोगों को नाक तक पहुंचने से रोकती है।

मंदसौर जिले में 26 से 30 अक्टूबर तक लगेंगे सहायक उपकरणों के लिए परीक्षण शिविर

मंदसौर। जिले में दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए एडिप योजना एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत 26 से 30 अक्टूबर तक पांच विकासखंडों में परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन और मूल्यांकन किया जाएगा। परीक्षण के बाद पात्र पाए जाने वाले हितग्राहियों को आगामी शिविर में सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे, जबकि कृत्रिम अंगों का वितरण परीक्षण शिविर स्थल पर ही किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 26 अक्टूबर को सुबह 11 बजे जनपद पंचायत परिसर मंदसौर में शिविर लगेगा। इसमें जनपद पंचायत मंदसौर, नगर पालिका मंदसौर और नगर परिषद नगरी क्षेत्र के हितग्राही शामिल हो सकेंगे। 27 अक्टूबर को सुबह 11 बजे जनपद पंचायत परिसर मल्हारगढ़ में शिविर आयोजित होगा। इसमें मल्हारगढ़ जनपद पंचायत, नगर पालिका मल्हारगढ़ तथा नगर परिषद नारायणगढ़ और पिपलियामंडी क्षेत्र के हितग्राहियों का परीक्षण किया जाएगा। इसी क्रम में 28 अक्टूबर को सुबह 11 बजे सांदीपनि विद्यालय, सीतामऊ रोड, लदुना में शिविर लगेगा। इसमें सीतामऊ जनपद पंचायत, नगर परिषद सीतामऊ और सुवासरा क्षेत्र के हितग्राही शामिल होंगे। 29 अक्टूबर को सुबह 11 बजे सिविल अस्पताल परिसर भानपुरा में शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें भानपुरा जनपद पंचायत, नगर परिषद भानपुरा और भैंसोदा क्षेत्र के हितग्राहियों का परीक्षण होगा। अंतिम शिविर 30 अक्टूबर को सुबह 11 बजे सिविल अस्पताल परिसर गरोठ में लगेगा। इसमें गरोठ जनपद पंचायत तथा नगर परिषद गरोठ और शामगढ़ क्षेत्र के हितग्राहियों का चिन्हांकन एवं मूल्यांकन किया जाएगा। शिविरों में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), उज्जैन के पुनर्वास विशेषज्ञ दिव्यांगजनों और वृद्धजनों की जरूरत के अनुसार उपकरणों के लिए पात्रता का आकलन करेंगे। दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, मोटर ट्राइसाइकिल, कृत्रिम अंग सहित अन्य जीवन सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए परीक्षण किया जाएगा। दिव्यांगजनों के लिए जरूरी दस्तावेज शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों के पास कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांगता का यूडीआईडी कार्ड, मासिक आय 22,500 रुपये से कम होने का आय प्रमाण पत्र अथवा बीपीएल राशन कार्ड, समग्र आईडी और दो पासपोर्ट आकार के फोटो होना जरूरी है। सामान्य सहायक उपकरणों के लिए पिछले तीन वर्षों में किसी भी स्रोत से उपकरण प्राप्त नहीं किया होना चाहिए। कृत्रिम अंग के लिए पिछले एक वर्ष में इसका लाभ नहीं लिया होना चाहिए। मोटर ट्राइसाइकिल के लिए कम से कम 80 प्रतिशत दिव्यांगता अनिवार्य है। इसके साथ ही पिछले तीन वर्षों में किसी भी स्रोत से मोटर ट्राइसाइकिल का लाभ नहीं लिया होना चाहिए। राष्ट्रीय वयोश्री योजना के तहत आने वाले वृद्धजनों की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।



मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी उपेन्द्र तिवारी द्वारा प्रदेशवॉच मीडिया ग्रुप 11 प्रेस कम्प्लेक्स जोन 1 एमपी नगर भोपाल से मुद्रित एवं बी-14 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक : अभिमन्यु तिवारी,सहायक सम्पादक : शैलेन्द्र तिवारी।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा। (समाचार प्रकाशन के लिये पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार*) आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक 61858/95, मो. 8602000710 , 8602000701

दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
शुभ प्रभात
www.rashtriyagarima.com
भोपाल, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ क्यों नहीं कर पा रही है आखिर मुंबई पुलिस

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या और अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर गोलीबारी जैसे मामलों में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का नाम सामने आने के बावजूद मुंबई पुलिस गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को अपनी हिरासत में लेकर पूछताछ नहीं कर पा रही है। इसकी प्रमुख वजह केंद्रीय गृह मंत्रालय का वह आदेश है, जिसके तहत उसे गुजरात की साबरमती जेल से बाहर ले जाने पर रोक है।

शिक्षा विभाग ने गुजरात के स्कूलों में बाहरी लोगों की एंट्री पर सख्ती

अहमदाबाद। गुजरात के स्कूलों में विद्यार्थियों की सुरक्षा और पढ़ाई का माहौल बनाए रखने के लिए शिक्षा विभाग ने बाहरी लोगों के प्रवेश को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। नए आदेश के मुताबिक, बिना अनुमति कोई भी बाहरी व्यक्ति स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं कर सकेगा। स्कूल में आने से पहले प्रधानाचार्य से लिखित मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। निर्देशों के अनुसार, स्कूल में आने वाले प्रत्येक आगंतुक को विजिटर रजिस्टर में अपनी जानकारी दर्ज करानी होगी।

यूपी में 30-31 अक्टूबर को अमित शाह कर सकते हैं चुनावी अभियान का आगाज

स्नातक चुनाव में अधिक मतदान के लिए भाजपा ने तैयार की उत्तर प्रदेश में रणनीति



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जल्द ही बिगुल फूंकने जा रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस माह के आखिर में पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में चुनावी तैयारियों को गति देंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 30 और 31 अक्टूबर को होने वाली भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी एक दिन के लिए शामिल होंगे और वह एवं श्री अमित शाह कार्यसमिति के सदस्यों को संबोधित करेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं दोनों उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्या साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल, भाजपा में उत्तर प्रदेश के प्रभारी महासचिव विनोद तावड़े राज्य के पार्टी के सभी पदाधिकारियों, विधायकों, सांसदों, पूर्व सांसदों के साथ संवाद करेंगे। सूत्रों के अनुसार बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति, संगठन को मजबूत करने और सरकार तथा पार्टी के बीच बेहतर तालमेल बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के अलावा अमित शाह आने वाले हफ्तों में उत्तर प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ भी बैठक कर सकते हैं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर पार्टी की स्थिति का आकलन करना और चुनाव के लिए संगठन को मजबूत बनाना है। सूत्रों के अनुसार, अमित शाह चुनावी राज्यों में संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी इसी रणनीति के तहत बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और चुनावी तैयारियों को मजबूत करने की योजना है। इन बैठकों के माध्यम से पार्टी नेतृत्व कार्यकर्ताओं की तैयारियों की समीक्षा कर सकता है। साथ ही, अलग-अलग क्षेत्रों में संगठन की स्थिति को समझने और स्थानीय स्तर पर बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया जा सकता है। उत्तर प्रदेश हमेशा से भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण राज्य रहा है। ऐसे में पार्टी विधानसभा चुनाव से काफी पहले अपनी तैयारियों को मजबूत करना चाहती है। प्रस्तावित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ होने वाली बातचीत को इसी दिशा में अहम माना जा रहा है। अमित शाह की संभावित मौजूदगी और नितिन नवीन के प्रस्तावित दौरे से प्रदेश संगठन को चुनावी रणनीति पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा। वहीं इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान में अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान के मद्देनजर पार्टी ने रणनीति तैयार कर महानगर के सभी 15 मंडलों में मतदाता पर्ची वितरण अभियान तेज कर दिया है।

सोमनाथ मंदिर के पास नॉनवेज बिक्री पर रोक को हाईकोर्ट में दी गई चुनौती

35 साल से कारोबार करने का दावा करने वाले छह रेस्टोरेंट संचालकों ने उठाए सवाल



अहमदाबाद। गुजरात के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के नजदीक नॉनवेज खाद्य पदार्थों की बिक्री और कारोबार पर प्रतिबंध लगाने का मामला गुजरात हाईकोर्ट पहुंच गया है। भीड़िया सर्कल से शंख सर्कल तक के मार्ग को वेज जोन घोषित करने संबंधी अगस्त 2026 के नोटिफिकेशन को छह नॉनवेज रेस्टोरेंट संचालकों ने चुनौती दी है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे संबंधित क्षेत्र में पिछले 35 वर्षों से नॉनवेज रेस्टोरेंट का कारोबार कर रहे हैं। वेज जोन घोषित किए जाने से उनके व्यवसाय और आजीविका पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। संचालकों ने इस फैसले को संविधान के अनुच्छेद 19(1)(जी) के तहत मिले व्यवसाय और रोजगार करने की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताते हुए नोटिफिकेशन को चुनौती दी है। राज्य सरकार की ओर से पेश मुख्य सरकारी वकील जीएच विर्क ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों और उनकी याचिका के आधार पर सवाल उठाए। सरकार ने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ता अदालत के सामने तथ्यों को सही तरीके से पेश नहीं कर रहे हैं और अदालत को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। सरकारी पक्ष ने अदालत को बताया कि छह याचिकाकर्ताओं में से तीन ने वर्ष 2018 में भी इसी तरह के नोटिफिकेशन को चुनौती दी थी। उस समय उन्हें कोई अंतरिम राहत नहीं मिली थी। सरकार के मुताबिक,पिछली याचिका में इन याचिकाकर्ताओं ने संबंधित क्षेत्र में 50 वर्षों से कारोबार करने का दावा किया था,जबकि मौजूदा याचिका में कारोबार की अवधि 35 वर्ष बताई गई है। इसी अंतर के आधार पर सरकार ने उनके दावों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। राज्य सरकार ने दलील दी कि भीड़िया सर्कल से शंख सर्कल तक का मार्ग भालका तीर्थ की ओर जाता है। इस रास्ते से धार्मिक स्थल पर दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। इसी वजह से इस क्षेत्र को वेज जोन घोषित करने का निर्णय लिया गया। सरकार के अनुसार, वर्ष 2006 से क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और विकास को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर संशोधन के साथ नोटिफिकेशन जारी किए जाते रहे हैं। सरकारी पक्ष ने यह भी दावा किया कि याचिकाकर्ताओं के रेस्टोरेंट जिस क्षेत्र में स्थित हैं, वह वर्ष 2018-19 से ही वेज जोन के दायरे में आता है। सुनवाई के दौरान मुख्य सरकारी वकील जीएच विर्क ने अयोध्या के रामपथ का उदाहरण भी पेश किया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में पूरे रामपथ को वेज जोन घोषित किया गया है। साथ ही स्विगी और जोमैटो जैसी खाद्य पदार्थों की डिलीवरी सेवाओं पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

देश को गृहयुद्ध में झोंकने और अर्थव्यवस्था को बेपटरी करने की कोशिश : संजय सेठ

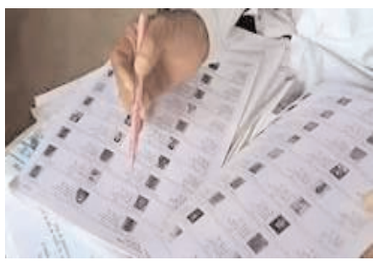
रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने विपक्ष पर बोला जोरदार हमला



पलामू। रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ एक दिवसीय दौरे पर पलामू पहुंचे थे, उन्होंने जिले के विश्रामपुर के आरसीआईटी स्थित विश्राम गृह में पूर्व मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी से मिलकर उनकी पत्नी तेतरी देवी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया और श्राद्धकर्म में शामिल होने का आश्वासन भी दिया। विश्रामपुर जाने से पहले मंत्री संजय सेठ ने पलामू परिसदन में पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत को गृहयुद्ध में झोंकने की कोशिश की जा रही है। देश की व्यवस्था और अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए राहुल गांधी एवं अन्य संगठनों पर कई आरोप लगाए। संजय सेठ ने कहा कि, दुर्गा पूजा के दौरान पूरे देश के लोग पंडालों में मौजूद हैं, लेकिन राजकुमार विदेश भाग गए हैं। राहुल गांधी का एक भी फोटो या सोशल मीडिया पोस्ट दुर्गा पूजा पर नहीं आया। उन्हें दुर्गा पूजा पंडाल में होना चाहिए था,लेकिन वे देश छोड़कर भाग गए। उन्हें देश का तीज-त्योहार पसंद नहीं है। संसद की कार्यवाही के दौरान भी वे देश छोड़कर भाग जाते हैं। सत्ता के बिना इनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। रिजीम चेंज पर संजय सेठ ने कहा कि देश की जनता एकजुट है। कुछ लोग फ्रांस-इटली की तरह देश को बनाना चाहते हैं, लेकिन देश का युवा सब कुछ समझ रहा है। विदेशी पैसे से भारत को गृहयुद्ध में झोंकने और अर्थव्यवस्था को डिरेल करने का प्रयास किया गया है। रक्षा राज्य मंत्री ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) का समर्थन किया और मतदाता सूची से विदेशी घुसपैठियों के नाम हटाने की बात कही। उन्होंने साफ कहा कि घुसपैठिये कांग्रेस का वोट बैंक रहे हैं। एक भी घुसपैठिया देश में नहीं रहेगा, उसे देश से बाहर भेजा जाएगा। जो लोग चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, वे घुसपैठियों को वोट बैंक मानते रहे हैं। देश की कोई भी जनता घुसपैठियों को वोटर के रूप में नहीं चाहती। एसआईआर एक सतत प्रक्रिया है। क्या दूसरे देश से आने वाले को वोट देने का अधिकार दे दिया जाए। क्या ऐसे लोग देश के प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री को चुनें।

मणिपुर पहुंची चुनाव आयोग की टीम, सभी राज्यों में तैयारियों की होगी समीक्षा

पांच राज्यों का मार्च और मई 2027 में खत्म होगा विधानसभाओं का कार्यकाल



नई दिल्ली। अगले साल की शुरुआत में देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। इसे देखते हुए चुनाव आयोग ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मणिपुर पहुंची है। उत्तराखंड में अधिकारियों का दौरा हुआ,जबकि पंजाब में 28 अक्टूबर को तैयारियों की समीक्षा होनी है। सबसे ज्यादा नजर उत्तर प्रदेश पर है, जहां 403 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव होना है। हालांकि, यूपी में चुनाव आयोग की टीम कब जाएगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है। दरअसल,चुनाव आयोग 2027 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी कर रहा है। इन राज्यों में चुनाव की तारीखों का ऐलान करने से पहले आयोग की टीमें तैयारियों का जायजा ले रही हैं। फिलहाल, वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में चुनाव आयोग की टीमें इन राज्यों का दौरा कर रही हैं। इसके बाद पूरा चुनाव आयोग भी संबंधित राज्यों में जाकर तैयारियों की समीक्षा करेगा। यह प्रक्रिया चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले पूरी की जाएगी। चुनाव आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम इस समय मणिपुर में है। यहां विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। इससे पहले आयोग के अधिकारी उत्तराखंड का दौरा कर चुके हैं। अब 28 अक्टूबर को पंजाब में चुनावी तैयारियों की समीक्षा के लिए टीम जाएगी। गोवा में भी अधिकारियों का दौरा प्रस्तावित था,लेकिन इसकी तारीखों में बदलाव किया जा रहा है। वहीं,उत्तर प्रदेश में अधिकारियों की टीम कब पहुंचेगी, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। यूपी में 403 विधानसभा सीटें हैं, इसलिए यहां चुनाव की तैयारियों पर खास नजर रहेगी। चुनावी तैयारियों के बीच इन राज्यों में इस समय विशेष मतदाता पुनरीक्षण का काम जोरों पर चल रहा है। चुनाव आयोग की ओर से साफ किया गया है कि इन सभी चुनावी राज्यों समेत कुल 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फाइनल वोटर लिस्ट आगामी 4 जनवरी को प्रकाशित कर दी जाएगी।



दिवंगत पत्रकारों के नाम पर होंगी रायपुर की सड़कें,महापौर को सौंपा प्रस्ताव



पत्रकारिता में योगदान देने वाले दिवंगत पत्रकारों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने की पहल

रायपुर। लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता और समाज सेवा में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले दिवंगत पत्रकारों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने की दिशा में रायपुर प्रेस क्लब ने पहल की है। प्रेस क्लब की कार्यकारिणी के निर्णय के अनुसार एक प्रेस क्लब प्रतिनिधिमंडल ने आज महापौर मीनल चौबे को ज्ञापन सौंपकर रायपुर नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत दिवंगत पत्रकारों के निवास स्थल के आसपास स्थित प्रमुख सड़क,चौक, तिराहा अथवा गली का नामकरण उनके नाम पर करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। रायपुर प्रेस क्लब ने प्रथम चरण में 26 दिवंगत पत्रकारों के नाम प्रस्तावित किए हैं। इस पहल का उद्देश्य पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके योगदान, सामाजिक सरोकारों और जनहित के लिए किए गए कार्यों को सम्मान देना तथा उनकी स्मृतियों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है। प्रेस क्लब ने आग्रह किया है कि प्रस्ताव पर विचार कर इसे एमआईसी (महापौर परिषद) में पारित कराया जाए और आगे सामान्य सभा के अनुमोदन की प्रक्रिया पूरी की जाए। प्रेस क्लब का मानना है कि पत्रकार समाज की समस्याओं को सामने लाने, जनमत निर्माण करने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में उनके नाम पर सड़कों और चौक-चौराहों का नामकरण उनके योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ ही नई पीढ़ी को सकारात्मक पत्रकारिता और समाज सेवा के लिए प्रेरित करने का माध्यम बनेगा। प्रथम चरण में प्रस्तावित नामों में स्व. विष्णु सिन्हा, स्व. अनल शुक्ला, स्व. रम्मू श्रीवास्तव, स्व. सत्येंद्र गुमास्ता, स्व. बसंत तिवारी,स्व.अश्विनी शर्मा,स्व.सुरेश तिवारी, स्व. कुमार साहू, स्व. कमल ठाकुर, स्व. गोपाल वोरा, स्व. एम.ए. जोसेफ, स्व. बसंत दीवान,स्व. कुलदीप निगम,स्व.देवेंद्र कर,स्व. विनय शर्मा, स्व. योगेश यदु, स्व. ठाकुर दिगंबर सिंह, स्व. विद्या शंकर शुक्ल, स्व. के.के. सिंह, स्व.जगदीश यादव, स्व. संजीत त्रिपाठी,स्व.भूपेंद्र टिकरिहा, स्व. नईम शिरो, स्व. आबिद अली और स्व. रमेश अवस्थी सुखनंदन बंजारे, विकल्प शुक्ला शामिल हैं। रायपुर प्रेस क्लब ने महापौर से इस प्रस्ताव पर सकारात्मक पहल करते हुए आवश्यक प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का अनुरोध किया है, ताकि पत्रकारिता जगत की इन विभूतियों के योगदान को शहर की पहचान और स्मृतियों का स्थायी हिस्सा बनाया जा सके। इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी,महासचिव गौरव शर्मा उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू, भूपेश जांगड़े,वरिष्ठ पत्रकार प्रशांत शर्मा,रविंद्र ठेंगड़ी, राजेंद्र निगम, सत्येंद्र कर शंकर चंद्राकर,जाकिर घुड़सेना,मनीष वोरा,एवं अन्य पत्रकार गण मौजूद रहे।

जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद कमाई में आई ऐतिहासिक उछाल

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में जीएसटी दरों में कटौती के बावजूद गुजरात ने कर राजस्व के मोर्चे पर शानदार प्रदर्शन किया है। सितंबर 2026 में राज्य की जीएसटी आय बढ़कर रु. 8,167 करोड़ पहुंच गई, जबकि सितंबर 2025 में यह रु. 6,050 करोड़ थी। इस तरह गुजरात ने सालाना आधार पर 35 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दर्ज की है। खास बात यह है कि इसी अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर जीएसटी राजस्व की वृद्धि दर 14.7 प्रतिशत रही, जबकि गुजरात की वृद्धि दर इससे दोगुने से भी अधिक रही। राज्य में व्यापार और उद्योग के अनुकूल माहौल, आर्थिक गतिविधियों में तेजी तथा करदाताओं के बीच स्वैच्छिक कर अनुपालन के विस्तार को इस उपलब्धि की प्रमुख वजह बताया गया है। कैबिनेट बैठक के बाद प्रवक्ता मंत्री जीतू वाघाणी ने राज्य की कर आय के आंकड़े साझा करते हुए बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान गुजरात को जीएसटी से कुल रु. 49,858 करोड़ की आय हुई है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह राशि रु. 38,540 करोड़ थी।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सम्पादकीय

विश्वकल्याण के लिए प्रतिबद्ध भारत का निर्माण

नागपुर में विजयदशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विजयादशमी उत्सव पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत का उद्बोधन भारतीय समाज के आत्मबोध, सांस्कृतिक अस्मिता,सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता पर केंद्रित रहा। संघ की शताब्दी के कार्यक्रमों के समापन अवसर पर उन्होंने स्पष्ट किया कि सशक्त,आत्मनिर्भर और विश्वकल्याण के लिए प्रतिबद्ध भारत का निर्माण केवल आर्थिक प्रगति से नहीं, बल्कि समाज के नैतिक,सांस्कृतिक और चारित्रिक उत्थान से संभव है। सरसंघचालक के उद्बोधन का मूल स्वर अपनी सभ्यतागत पहचान को समझने और उसे समकालीन जीवन में उतारने का रहा। भारत की विविधता को कमजोरी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संपन्नता मानते हुए उन्होंने उस एकात्म भाव को मजबूत करने की आवश्यकता बताई। जो विभिन्न मत-पंथों,भाषाओं, जातियों और प्रादेशिक पहचानों के बावजूद नागरिकों को एक सूत्र में बांधता है। संविधान की भावना के अनुरूप 'हम भारत के लोग' का बोध तभी सार्थक होगा। जब समान राष्ट्रीय हित,पारस्परिक सम्मान और कर्तव्यनिष्ठा हमारे व्यवहार में दिखाई दें। यही भाव स्वबोध से राष्ट्रबोध की ओर अग्रसर करता है। संत रविदास जी के 650वें जयंती वर्ष का संदर्भ इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उनका जीवन श्रम की प्रतिष्ठा,भक्ति, स्वधर्मनिष्ठा और सामाजिक समरसता की प्रेरणा देता है। स्वामी श्रद्धानंद और स्वामी लक्ष्मणानंद सरस्वती जैसे महापुरुषों का स्मरण भी त्याग,सेवा और सांस्कृतिक चेतना के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश देता है। संघ के शताब्दी वर्ष में रेखांकित पंच परिवर्तन सामाजिक समरसता,कुटुंब प्रबोधन,पर्यावरण संरक्षण,स्वबोध एवं स्वदेशी तथा नागरिक अनुशासन को सरसंघचालक ने सामाजिक जीवन की दिशा बदलने वाला व्यापक अभियान बताया। इनका वास्तविक महत्व तभी है, जब वे नारों और आयोजनों तक सीमित न रहकर दैनिक आचरण का हिस्सा बनें। परिवार में संस्कार,समाज में समानता, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता। स्वदेशी के प्रति आग्रह और नागरिक कर्तव्यों का पालन राष्ट्रनिर्माण की आधारशिलाएं हैं। विज्ञान,तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की प्रगति को स्वीकार करते हुए उद्बोधन में सरसंघचालक ने उनके विवेकपूर्ण उपयोग पर बल दिया। तकनीक अपने आप में समाधान नहीं, उसका परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य और नैतिक दृष्टि से किया जाता है। डिजिटल माध्यमों पर उपलब्ध सामग्री, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और नई पीढ़ी के सामने उपस्थित चुनौतियों के संदर्भ में परिवार, समाज और शासन की साझा जिम्मेदारी रेखांकित की। विकास का प्रतिमान ऐसा होना चाहिए, जिसमें आर्थिक समृद्धि के साथ पर्यावरणीय संतुलन, मानवीय गरिमा और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सुरक्षित रहें। डॉ.भागवत के उद्बोधन का महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक तनावों और आंदोलनों के प्रति विवेकपूर्ण दृष्टिकोण रहा। समस्याओं के समाधान के लिए संवाद,जनसहभागिता और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन आवश्यक है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा हैं, किंतु उन्हें मनभेद,द्वेष और सामाजिक विभाजन में बदलने से रोकना सभी की जिम्मेदारी है। शासन-प्रशासन, राजनीतिक नेतृत्व और समाज के प्रत्येक वर्ग से अपेक्षा है कि व्यवहार में संवेदनशीलता,शालीनता और नागरिक सम्मान बना रहे। ग्रामीण विद्यालयों और ग्राम विकास में जनसहभागिता के उदाहरण बताते हैं कि सामाजिक समस्याओं का समाधान केवल सरकारी प्रयासों या आंदोलनों पर निर्भर नहीं रह सकता।

राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए

चैतन्य मिश्रा



राजनीति केवल सत्ता के गलियारों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने, नेताओं के आसपास घूमने, प्रशंसा के पुल बांधने और व्यक्तिगत लाभ के अवसर तलाशने का माध्यम नहीं है। राजनीति का वास्तविक उद्देश्य जनसेवा, जनसमस्याओं का समाधान और व्यवस्था को जनहित के प्रति जवाबदेह बनाना है। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐसी प्रवृत्ति तेजी से दिखाई देती है, जिसमें अनेक लोग अपनी राजनीतिक पहचान और भविष्य को अपने विचारों, कार्यों तथा जनाधार के बजाय किसी प्रभावशाली नेता की निकटता से जोड़कर देखते हैं। ऐसे में यह कहना प्रासंगिक हो जाता है कि राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए। यह कथन केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र, आत्मसम्मान और वैचारिक स्वतंत्रता की कसौटी है। चमचा बनने का अर्थ है-बिना सोचे-समझे किसी की हां में हां मिलाना, गलत को भी सही ठहराना और अपने विवेक को व्यक्तिगत लाभ के लिए गिरवी रख देना। इसके विपरीत, बेलचा बनने का अर्थ है- जमीन से जुड़ना, जनसमस्याओं की जड़ों तक पहुंचना, व्यवस्था में जमी गंदगी को बाहर निकालना और विकास के रास्ते में खड़ी बाधाओं को हटाने का साहस दिखाना। चापलूसी से नहीं, कर्म से बनती है राजनीतिक पहचान राजनीति में किसी वरिष्ठ नेता का सम्मान करना, संगठन के प्रति निष्ठावान रहना और नेतृत्व के निर्णयों का समर्थन करना गलत नहीं है। आखिरकार, किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती अनुशासन, सामूहिकता और संगठनात्मक निष्ठा पर निर्भर करती है। लेकिन निष्ठा और चापलूसी के बीच एक स्पष्ट अंतर है। निष्ठा संगठन के सिद्धांतों के प्रति होती है, जबकि चापलूसी अक्सर व्यक्तिगत स्वार्थ के इर्द-गिर्द घूमती है। जब कोई व्यक्ति नेतृत्व की हर बात को अंतिम सत्य मानने लगता है, तब उसकी स्वतंत्र राजनीतिक सोच कमजोर पड़ने लगती है। वह जनता की समस्याओं पर सवाल उठाने के बजाय यह देखने लगता है कि उसके सवाल से किसी नेता की नाराजगी तो नहीं बढ़ जाएगी। धीरे-धीरे जनहित पीछे छूट जाता है और व्यक्तिगत लाभ प्राथमिकता बन जाता है। ऐसी राजनीति में पद तो मिल सकते हैं, लेकिन जनविश्वास अर्जित करना कठिन हो जाता है। क्योंकि जनता केवल यह नहीं देखती कि कौन किस नेता के कितने करीब है; जनता यह भी देखती है कि संकट के समय कौन उसके साथ खड़ा हुआ, किसने उसकी आवाज उठाई और किसने जिम्मेदार लोगों से जवाब मांगा। राजनीतिक अस्तित्व का आधार पद नहीं, जनाधार है राजनीति में वास्तविक अस्तित्व किसी पद, सिफारिश, गुट या प्रभावशाली व्यक्ति की कृपा पर स्थायी रूप से नहीं टिका रह सकता। पद बदलते हैं, सत्ता के समीकरण बदलते हैं और राजनीतिक परिस्थितियां भी समय के साथ करवट लेती हैं। ऐसे में वही व्यक्ति लंबे समय तक अपनी प्रासंगिकता बनाए रख सकता है, जिसने जनता के बीच अपना विश्वास, कार्यकर्ताओं के बीच अपना सम्मान और संगठन में अपनी उपयोगिता स्थापित की हो। यदि किसी राजनीतिक कार्यकर्ता की पहचान केवल इस बात से है कि वह किस नेता के साथ दिखाई देता है, तो उसका राजनीतिक भविष्य नेतृत्व में होने वाले बदलावों के साथ प्रभावित हो सकता है। लेकिन यदि उसकी पहचान जनसमस्याओं के समाधान, संगठन के विस्तार, जनहित में संघर्ष और स्पष्ट विचारों से है, तो परिस्थितियां बदलने पर भी उसका महत्व बना रह सकता है। राजनीतिक अस्तित्व का वास्तविक अर्थ केवल पद हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसा विश्वास अर्जित करना है जिसके कारण लोग आपकी बात सुनें, आपके संघर्ष पर भरोसा करें और आपको अपनी समस्याओं का प्रतिनिधि मानें। सवाल पूछना बगावत नहीं, जिम्मेदार राजनीति है लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत सवाल पूछने का अधिकार है। यदि किसी जनप्रतिनिधि, मंत्री, अधिकारी या संगठन के पदाधिकारी से जनहित से जुड़े विषय पर सवाल पूछा जाता है, तो उसे व्यक्तिगत विरोध या अनुशासनहीनता के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। सत्ता में बैठे लोगों की प्रशंसा करना आसान है, लेकिन उनकी गलतियों पर विनम्रता और तथ्यों के साथ सवाल उठाना साहस का काम है। राजनीतिक कार्यकर्ता का दायित्व केवल अपने नेतृत्व की उपलब्धियों का प्रचार करना नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षाओं और वास्तविक परिस्थितियों के बीच की दूरी को नेतृत्व तक पहुंचाना भी है। यदि किसी क्षेत्र में सड़कें जर्जर हैं, अस्पतालों में सुविधाओं की कमी है, युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं, किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है या सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रहा है, तो इन मुद्दों को उठाना राजनीति का मूल कर्तव्य है। जो कार्यकर्ता इन समस्याओं को जानते हुए भी केवल अपनी राजनीतिक सुविधा के कारण मौन रहता है, उसे आत्ममंथन करना चाहिए। सवाल यह नहीं है कि नेतृत्व नाराज होगा या प्रसन्न; सवाल यह है कि जनता की आवाज को उचित मंच तक पहुंचाने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? राजनीतिक व्यवस्था को बेलचे की जरूरत है व्यवस्था में कमियां अपने आप दूर नहीं होतीं। इसके लिए ऐसे लोगों की आवश्यकता होती है जो समस्या को पहचानें, उसके कारणों को समझें, प्रमाणों के आधार पर सवाल उठाएं और समाधान के लिए निरंतर प्रयास करें। बेलचा जमीन की ऊपरी परत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि खुदाई करके भीतर तक पहुंचता है। इसी प्रतीकात्मक अर्थ में राजनीति को भी ऐसे कार्यकर्ताओं की जरूरत है जो केवल मंचों पर भाषण न दें, बल्कि गांवों, कस्बों, वार्डों और आम नागरिकों के बीच जाकर वास्तविक समस्याओं को समझें। राजनीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि किसी जनप्रतिनिधि ने अपने क्षेत्र में क्या बदलाव किया, किसी पदाधिकारी ने संगठन को कितना मजबूत बनाया और किसी कार्यकर्ता ने जनता के लिए कितना संघर्ष किया। केवल स्वागत समारोहों में उपस्थिति, बड़े नेताओं के साथ तस्वीरें और सोशल मीडिया पर प्रशंसा के संदेश किसी व्यक्ति की वास्तविक जनसेवा का पर्याप्त प्रमाण नहीं हो सकते। व्यवस्था की खामियों को उजागर करना तभी सार्थक है, जब आलोचना तथ्यों पर आधारित हो और उसका उद्देश्य सुधार हो। केवल विरोध के लिए विरोध करना भी उतना ही नुकसानदायक है, जितना हर गलत निर्णय का समर्थन करना। नेतृत्व को भी पसंद आने चाहिए सवाल पूछने वाले कार्यकर्ता किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती इस बात से तय होती है कि वहां विचारों, सुझावों और असहमति के लिए कितनी जगह है।

> ऐसे में यह कहना प्रासंगिक हो जाता है कि राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए। यह कथन केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र, आत्मसम्मान और वैचारिक स्वतंत्रता की कसौटी है। चमचा बनने का अर्थ है-बिना सोचे-समझे किसी की हां में हां मिलाना, गलत को भी सही ठहराना और अपने विवेक को व्यक्तिगत लाभ के लिए गिरवी रख देना। इसके विपरीत, बेलचा बनने का अर्थ है- जमीन से जुड़ना, जनसमस्याओं की जड़ों तक पहुंचना, व्यवस्था में जमी गंदगी को बाहर निकालना और विकास के रास्ते में खड़ी बाधाओं को हटाने का साहस दिखाना। चापलूसी से नहीं, कर्म से बनती है राजनीतिक पहचान राजनीति में किसी वरिष्ठ नेता का सम्मान करना, संगठन के प्रति निष्ठावान रहना और नेतृत्व के निर्णयों का समर्थन करना गलत नहीं है। आखिरकार, किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती अनुशासन, सामूहिकता और संगठनात्मक निष्ठा पर निर्भर करती है। लेकिन निष्ठा और चापलूसी के बीच एक स्पष्ट अंतर है। निष्ठा संगठन के सिद्धांतों के प्रति होती है, जबकि चापलूसी अक्सर व्यक्तिगत स्वार्थ के इर्द-गिर्द घूमती है। जब कोई व्यक्ति नेतृत्व की हर बात को अंतिम सत्य मानने लगता है, तब उसकी स्वतंत्र राजनीतिक सोच कमजोर पड़ने लगती है।

राशिफल



मेष राशिः मेष राशि वालों आज आपका दिन खास होने वाला है। बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। सेहत के मामले में आप खुद को स्वस्थ महसूस करेंगे। पिछले दिनों की गयी मेहनत का आज आपको बेहतर फल मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा और आपको प्रसिद्धि मिलेगी। आपको आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा। आज आपकी बातों से लोग प्रभावित होंगे, वे आपका अनुसरण करेगा।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिता सकते हैं। आज आपके लिए कोई फैसला करना कठिन होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान कैंसिल हो सकता है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर पर अचानक कोई रिश्तेदार आ सकते हैं, जिससे घर के माहौल में कुछ अच्छे बदलाव आएंगे। आज आपको किसी भी कोर्ट कचहरी के मामले में पड़ने से बचना चाहिए। किसी से बातचीत करते समय आपको अपनी वाणी पर संयम रखना चाहिए।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी। दोस्तों की मदद से आपके काम की प्लानिंग सफल होगी। अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढ़िया है।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। किसी भी काम को करते समय अपना मन शांत रखें, इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए। किसी पुरानी बात को लेकर आप उलझन की स्थिति में आ सकते हैं, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जाएगा।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। किसी कॉम्पिटिटिव एग्जाम से रिलेटिड कोई शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। आज आप दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताएंगे। जो लोग मीडिया के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, उनके कामों की आज प्रशंसा होगी।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। किसी व्यक्ति से आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बढ़िया है।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आप अपने व्यवहार को निखारने की कोशिश करेंगे। आपके कुछ कामों में अधिक समय लगेगा, लेकिन किसी सहकर्मी की मदद से पूरा करने में सफल होंगे। इस राशि के छात्रों को आज पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आज आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। आपको सबका पूरा साथ मिलेगा। ऑफिस में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे। लवमेट के लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका दिन घूमने-फिरने में बीत सकता है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक कोई बड़ा धन लाभ होगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। आपके काम से जीवनसाथी को प्रसन्नता होगी।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किए गए काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा। बड़ों का सहयोग आपके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

भारत की अगली बड़ी छलांग साझेदारी पर क्यों आधारित होनी चाहिए

गजेंद्र सिंह शेखावत



भारत में गंतव्य स्थलों की कभी कोई कमी नहीं रही है। कमी अगर रही है, तो बस उस संस्थागत परिकल्पना की, जिसके जरिये दुनिया इन स्थलों को जानने में सक्षम हो सके, वहाँ पहुँच सके, उन्हें अनुभव कर सके और सबसे ज़रूरी बात—वहाँ बार-बार जा सके। हमारी सांस्कृतिक विरासत बेमिसाल है: यहाँ सब कुछ है - प्राचीन शहर और जीवंत परंपराएँ, पवित्र परिदृश्य और वन्यजीव, वास्तुकला और शिल्प, खान-पान और त्योहार, पहाड़ और समुद्र तट, आदि। लेकिन सिर्फ़ विरासत से ही पर्यटन नहीं बनता। कोई स्मारक अपने-आप में गंतव्य स्थल नहीं होता; एक गंतव्य स्थल असल में एक पूरा इकोसिस्टम होता है। इसमें शामिल हैं—वहाँ तक ले जाने वाली सड़क, यात्रा से जुड़ी कहानी, यात्रियों का स्वागत करने वाला आतिथ्य, उसे असली पहचान देने वाले कारीगर, उसे खोजने में मदद करने वाली तकनीक और वह समुदाय जिसकी भागीदारी यह तय करती है कि पर्यटन एक आर्थिक अवसर बनेगा या बस एक अनुचित प्रवेश रह जाएगा। इसीलिए भारतीय पर्यटन के अगले अध्याय को सिर्फ़ पर्यटन स्थलों के नज़रिए से नहीं, बल्कि साझेदारी के नज़रिए से भी तय किया जाना चाहिए। पर्यटन का पुरानी संरचना काफ़ी हद तक ऊपर से नीचे की ओर श्रेणीबद्ध थी। सरकारें अवसंरचना बनाती थीं, गंतव्य स्थलों को बढ़ावा दिया जाता था, उद्योग जगत पर्यटकों के आने-जाने और ठहरने की व्यवस्था करता था और समुदाय काफ़ी हद तक हाशिए पर रहते थे। नयी संरचना सबकी बराबर भागीदारी वाली होनी चाहिए। सरकार, उद्योग जगत, प्रौद्योगिकी कंपनियां, रचनाकार, निवेशक, राज्य, स्थानीय निकाय और समुदायों को मिलकर पर्यटन के अनुभव का निर्माण करना चाहिए। यह फ़र्क सिर्फ़ शब्दों का नहीं है। यह विकास को समझने के हमारे नज़रिए में एक बुनियादी बदलाव को दिखाता है। आज पर्यटन का मतलब सिर्फ़ लोगों का एक जगह से दूसरी जगह जाना नहीं है। यह विचारों, कहानियों, उम्मीदों, पूंजी और सांस्कृतिक प्रभाव का आवागमन है। यात्री अब सिर्फ़ भारत को देखना नहीं चाहते, बल्कि उसे अनुभव करना चाहते हैं — लोग खान-पान का स्वाद लेना, परंपराओं को समझना, घरों में जाना, कारीगरों से मिलना और यहाँ की जीवंत संस्कृति में, चाहे थोड़ी देर के लिए ही सही, भाग लेना चाहते हैं। यह बदलाव भारत के लिए एक शानदार अवसर लेकर आया है। लेकिन बिना तालमेल के अवसर का लाभ शायद ही मिल पाता है। इसलिए सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, भले ही यह बदलती रहती हो। इसकी ज़िम्मेदारी सब कुछ खुद करने की नहीं है; बल्कि ज़्यादा चीज़ों को संभव बनाने की है। सड़कों, हवाईअड्डों, रेलवे, स्वच्छता, डिजिटल अवसंरचना, विरासत संरक्षण और नागरिक सुविधाओं में सरकारी निवेश वह आधार तैयार करता है, जिस पर निजी क्षेत्र नवाचार और निवेश कर सकता है। राजनीतिक इच्छाशक्ति निरंतरता और दिशा देती है। उद्योग जगत पूंजी, प्रबंधन विशेषज्ञता, तकनीक और बाज़ार तक पहुंच में योगदान देता है। समुदाय वह चीज़ देते हैं, जिसे कोई सरकार या निगम नहीं बना सकता: प्रामाणिकता। असली चुनौती इन क्षमताओं को एक साथ लाने की है। उद्योग जगत के साथ पर्यटन मंत्रालय का बढ़ता जुड़ाव इसी दिशा में एक प्रयास है। ग्यारह रणनीतिक समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप दिया गया है, जिनमें से पांच का विश्व पर्यटन दिवस 2026 को आदान-प्रदान हुआ है। उनका महत्व केवल दस्तावेजों को लेकर नहीं है, बल्कि उन क्षमताओं में है, जिन्हें वे जोड़ना चाहते हैं - प्रौद्योगिकी, आवागमन, आतिथ्य, कंटेंट, डिजिटल आउटरीच और स्थानीय उद्यम। गंतव्य स्थल की खोज करने के बदलते अर्थशास्त्र पर विचार करें। एक पीढ़ी पहले, किसी यात्री को यात्रा गाइड या विज्ञापन के माध्यम से भारत की जानकारी मिलती होगी। आज, एक गंतव्य स्थल एक फिल्म, एक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, एक रचनाकार की कहानी या मोबाइल फोन में सामने आई एक छवि के माध्यम से वैश्विक परिकल्पना में प्रवेश कर सकता है। नेटफ्लिक्स के साथ सहयोग गंतव्य प्रचार की इस नई व्यवस्था को प्रदर्शित करता है, जो भारत की संस्कृति, वन्य जीवन और पहाड़ी परिदृश्यों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने दिखाती है। आईटीबी बर्लिन 2026 में प्रदर्शित भारत के स्वाद और लंदन व न्यूयॉर्क में प्रचार अभियान यह दर्शाते हैं कि कैसे पर्यटन का भूगोल; कहानी कहने के भूगोल से पहले ही महत्वपूर्ण हो जाता है। लेकिन कहानी सुनाने से अंततः यात्रा करने का कारण अवश्य मिलना चाहिए। यहीं पर अगली पीढ़ी की साझेदारी महत्वपूर्ण हो जाती है। मास्टरकार्ड के साथ विकसित परियोजना वाराणसी बहुमूल्य, विज्ञापन से परे एक ऐसे अनुभव की ओर बढ़ता है, जिसे वास्तव में खोजा और आरक्षित किया जा सकता है: सूर्योदय के समय गंगा, शास्त्रीय संगीत, साहित्य पर बातचीत, बनारसी बुनकर समुदाय और विरासत स्थल। इस तरह की पहल का महत्व यह है कि वाराणसी को फोटो खिंचवाने वाले स्मारक के रूप में नहीं, बल्कि अनुभव की जाने वाली सभ्यता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस अंतर की जानकारी हमारी संपूर्ण पर्यटन रणनीति को दी जानी चाहिए। भारत को आकर्षण बेचने के बदले अनुभव संग्रहित करने की ओर बढ़ना चाहिए। हवाई संपर्क भी इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एलायंस एयर, एयर इंडिया और इंडिगो के साथ साझेदारी अतुल्य भारत को यात्री इकोसिस्टम में विस्तार देती है, जिससे उड़ानों, डिजिटल प्लेटफार्मों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गंतव्य को बढ़ावा मिलता है। प्रौद्योगिकी एक और आयाम जोड़ती है: बुद्धिमत्ता। भविष्य की पर्यटन प्रणाली को तेजी से समझना होगा कि कौन यात्रा कर रहा है, यात्री क्या चाहते हैं, मांग कहां उभर रही है और प्राथमिकताएं कैसे बदल रही हैं। गूगल इंडिया के साथ सहयोग, जिसमें क्षमता निर्माण और वैश्विक यात्रा मांग व यात्री व्यवहार को समझने से जुड़े कार्य शामिल है, एक पर्यटन नीति की ओर इशारा करता है, जो उत्तरोत्तर अधिक साक्ष्य-आधारित बन सकती है। फिर भी सबसे परिणामी परिवर्तन पारंपरिक पर्यटन केंद्रों से बहुत दूर हो सकता है। यदि पर्यटन को वास्तव में समावेशी बनाना है, तो गाँव को पर्यटन नीति के लिए उतना ही महत्वपूर्ण बनाना होगा जितना कि महानगरीय प्रवेश द्वार। होमस्टे, होटल जैसा ही महत्वपूर्ण हो सकता है। कारीगर उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है जितना आकर्षण। स्थानीय उद्यमी बड़े संचालकों के समान ही महत्वपूर्ण बन सकते हैं। एयरबीएनबी, सोल ऑफ इंडिया और मेकमाईट्रिप की साझेदारियां अवसर के इसी लोकतंत्रीकरण की दिशा में प्रयास कर रही हैं - होमस्टे मेजबानों को डिजिटल क्षमताओं से लैस करना, कम-ज्ञात गंतव्यों को अधिक दृश्यता देना, अनजान गांवों को रचनाकारों और आरक्षण योग्य रहने की जगहों से जोड़ना। इसके पीछे एक गहरी सोच है: जब कोई स्थल किसी यात्री की कल्पना में बसता है, तो उससे पैदा होने वाले आर्थिक मौके उन लोगों की ज़िंदगी में भी आने चाहिए, जो उस स्थल को पहचान देते हैं। यही पर्यटन से होने वाले विकास की असली कसौटी है। सिर्फ़ आने वाले पर्यटकों की संख्या ही सफलता का पैमाना नहीं हो सकती। हमें एक और ज़रूरी सवाल पूछना चाहिए: जब कोई स्थल सफल होता है, तो फ़ायदा किसे होता है? क्या कारीगर ज़्यादा कमाता है? क्या युवा को स्थानीय स्तर पर कोई अवसर मिलता है? क्या महिला उद्यमी को बाज़ार मिलता है? क्या समुदाय को अपनी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को बचाने का प्रोत्साहन मिलता है? क्या यात्री सिर्फ़ एक फ़ोटो लेकर नहीं, बल्कि गहरी समझ लेकर वापस जाता है? अगर इन सवालों का जवाब %हाँ% में है, तो पर्यटन सिर्फ़ एक उद्योग नहीं रह जाता। यह सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सबके लिए आर्थिक विकास का ज़रिया बन जाता है। इस मामले में भारत की कम जानी-पहचानी जगहें एक बहुत बड़ा मौका देती हैं। तकनीक उन्हें युवा दर्शकों तक पहुँचा सकती है; आवाजाही की सुविधा से वहाँ पहुंचना आसान हो सकता है; निजी निवेश उचित अवसंरचना बना सकता है; और समुदाय की भागीदारी यह सुनिश्चित कर सकती है कि विकास पहचान की कीमत पर न होता हो। हिमालय में समुदाय के नेतृत्व वाले विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने वाली पहल - जिसमें मौखिक परंपराओं, शिल्प और स्थानीय ज्ञान का दस्तावेज़ीकरण शामिल है - यह दिखाती हैं कि पर्यटन कैसे संरक्षण का दुश्मन नहीं, बल्कि साथी बन सकता है। लेकिन साझेदारी का मतलब सिर्फ़ समझौते पर दस्तख़त करने वाली सरकारी शब्दावली नहीं होनी चाहिए। समझौता ज्ञापन तो बस एक शुरुआत है। असली साझेदारी तब शुरू होती है जब समझौते से कोई उत्पाद बनता है, जब किसी अभियान से यात्री आते हैं, जब यात्री से स्थानीय आय होती है और जब उस आय से उस जगह पर समुदाय का मालिकाना हक़ और मज़बूत होता है। इसलिए उद्योग संघ और पर्यटन व्यापार बहुत ज़रूरी हैं। बाज़ार, यात्रियों, यात्रा-कार्यक्रमों और वितरण के बारे में उनकी जानकारी आकांक्षाओं को वास्तविक यात्राओं में बदल सकती है। वहीं, राज्य और स्थानीय संस्थाएँ ज़मीनी स्तर पर अनुभव की गुणवत्ता तय करती हैं। भारतीय पर्यटन का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि हम सरकार और उद्योग जगत, केंद्र और राज्यों, तकनीक और परंपरा, वैश्विक प्लेटफ़ॉर्म और स्थानीय समुदायों के बीच की पुरानी संस्थागत सीमाओं को कितना खत्म कर पाते हैं। वाराणसी इस संभावना की एक झलक दिखाती है: कहानी सुनाना, संगीत, विरासत, बुनाई, आतिथ्य और तकनीक - ये सब एक ही जगह पर संयोजित हो रहे हैं। इससे मिलने वाला बड़ा सबक स्पष्ट है। भारत को सिर्फ़ और पर्यटकों की ज़रूरत नहीं है। इसे एक मज़बूत पर्यटन समाज की ज़रूरत है। एक ऐसा समाज, जहाँ नागरिक पर्यटन को किसी अन्य का उद्योग नहीं, बल्कि एक ऐसा मौका मानते हैं जिसमें उनकी भी हिस्सेदारी है। एक ऐसा समाज, जहाँ सरकारी निवेश से आधार बनता है, निजी निवेश संभावनाओं को कई गुना बढ़ाता है और समुदाय की भागीदारी से विकास को मान्यता मिलती है। इसलिए, भविष्य का पर्यटन स्थल केवल नक्शे पर चिह्नित कोई जगह नहीं होगी। यह रिश्तों का एक नेटवर्क होगा। और भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त शायद सिर्फ़ इस बात में नहीं है कि हमारे पास क्या भव्य स्थल हैं, बल्कि इस क्षमता में है कि हम उन अनेक लोगों और संस्थाओं को एक साथ ला सकें, जो हमारी विरासत को दुनिया के लिए एक मूल्यवान अनुभव में बदल सकें। अब हमारे सामने यह सवाल नहीं है कि क्या भारत के पास यात्रियों को देने के लिए पर्याप्त चीज़ें हैं। निश्चित रूप से हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

सलमान खान ने लॉन्च किया अपना यूट्यूब चैनल, अब फैंस से सीधे जुड़ेंगे अभिनेता



बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान अब यूट्यूब की दुनिया में भी कदम रखने जा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल की शुरुआत की घोषणा की है। इस खबर से उनके प्रशंसकों में उत्साह है। घोषणा के कुछ ही समय बाद उनके चैनल से 13 हजार से अधिक सदस्य जुड़ गए।सलमान ने अपने चैनल की घोषणा करते हुए लिखा, 卐शुरू से शुरू करते हैं... मेरा आधिकारिक यूट्यूब चैनल। ए से जेड तक सब यहां मिलेगा।卐 साझा किए गए वीडियो में अभिनेता अपने खास और मजेदार अंदाज में अंग्रेजी वर्णमाला के ए से जेड तक का उल्लेख करते नजर आ रहे हैं।सलमान खान ने अपने यूट्यूब चैनल के माध्यम से प्रशंसकों को अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी से जुड़ी झलकियां दिखाने का वादा किया है। चैनल के परिचय में उन्होंने खुद को फिल्म अभिनेता, कलाकार, चित्रकार और मानवतावादी बताया है। साथ ही इसे अपना आधिकारिक चैनल घोषित किया है।चैनल पर फिलहाल 10 छोटे वीडियो भी मौजूद हैं। हालांकि, प्रशंसकों को अब उनके पहले आधिकारिक व्लॉग यानी वीडियो ब्लॉग या किसी विस्तृत वीडियो का इंतजार है।सलमान खान लंबे समय से फिल्मों और सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों से जुड़े हुए हैं। यूट्यूब चैनल की शुरुआत को उनके प्रशंसकों के साथ सीधे जुड़ने की एक नई पहल के रूप में देखा जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अभिनेता अपने चैनल पर मनोरंजन, फिल्मी गतिविधियों, निजी अनुभवों और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी कौन-कौन सी बातें साझा करते हैं।

फिल्म 'रामायण' से लारा दत्ता और शीबा चड्ढा के पोस्टर जारी, कैकेयी और मंथरा के रूप में दिखा दमदार अंदाज

नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही महाकाव्य फिल्म दिवाली 2026 पर होगी दुनियाभर में प्रदर्शित, रणबीर कपूर निभा रहे हैं भगवान राम की भूमिका

मुंबई। रणबीर कपूर अभिनीत बहुप्रतीक्षित पौराणिक महाकाव्य फिल्म 'रामायण' से अभिनेत्री लारा दत्ता और शीबा चड्ढा के नए पोस्टर जारी किए गए हैं। फिल्म में लारा दत्ता रानी कैकेयी और शीबा चड्ढा दासी मंथरा की भूमिका में नजर आएंगी। दोनों किरदारों की पहली झलक सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है। इससे पहले निर्माताओं ने अभिनेता अरुण गोविल का पोस्टर जारी किया था।

नमित मल्होत्रा द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को दिवाली 2026 के अवसर पर दुनियाभर में प्रदर्शित करने की तैयारी है। फिल्म के अलग-अलग किरदारों के पोस्टर सामने आने के साथ ही इसे लेकर सामाजिक माध्यमों पर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

जारी किए गए पहले पोस्टर में लारा दत्ता रानी कैकेयी के राजसी अवतार में दिखाई दे रही हैं। उनके चेहरे पर गंभीरता, दृढ़ता और आक्रोश के भाव नजर आते हैं। पारंपरिक वेशभूषा, शाही आभूषण और आकर्षक श्रृंगार उनके किरदार की गरिमा और प्रभाव को दर्शाते हैं। कैकेयी रामायण की कथा का एक महत्वपूर्ण पात्र हैं, जिनकी इच्छाओं और निर्णयों से भगवान राम के वनवास की घटनाएं जुड़ी हैं।दूसरे पोस्टर में शीबा चड्ढा दासी मंथरा के रूप में नजर आ रही हैं। उनके चेहरे के भाव और व्यक्तित्व का चित्रण रामायण की उस महत्वपूर्ण घटना की याद दिलाता है, जब मंथरा रानी कैकेयी को राजा दशरथ से दो वरदान मांगने के लिए प्रेरित करती हैं। कथा में मंथरा की भूमिका कैकेयी के निर्णय और राम के वनवास की घटनाओं को प्रभावित



करने वाली मानी जाती है।

निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए कैकेयी और मंथरा के किरदारों के महत्व को रेखांकित किया। उनके अनुसार, एक रानी की इच्छाएं और दूसरी की कुटिल सलाह ऐसी घटनाओं को जन्म देती हैं, जो राम के जीवन की दिशा बदल देती हैं।

'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में साई पल्लवी सीता, यश रावण, रवि दुबे लक्ष्मण और सनी देओल हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा रकुल प्रीत सिंह सहित कई अन्य कलाकार भी फिल्म का हिस्सा हैं।

निर्माता नमित मल्होत्रा और निर्देशक नितेश तिवारी इस पौराणिक कथा को बड़े पर्दे पर भव्य रूप में प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहे हैं। फिल्म की दिवाली 2026 में दुनियाभर में प्रदर्शित होने की योजना है। अब दर्शकों को फिल्म के अन्य किरदारों की झलक और आगामी प्रचार सामग्री का इंतजार है।

दूसरी बार माता-पिता बनेंगे कियारा और सिद्धार्थ

मुंबई । बॉलीवुड के हॉट कपल अभिनेत्री कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर दूसरी बार किलकारी गूंजने वाली है। यह प्यारा कपल दूसरी बार माता-पिता बनने के लिए तैयार है। इससे पहले शादी के लगभग साढ़े तीन साल बाद कपल ने अपनी पहली बेटी को जन्म दिया था। दोनों ने ही स्वयं इस खबर को सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ साझा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक बेहद खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की, जिसमें छोटे से बच्चे के सॉक्स नजर आ रहे थे, जो उनके आने वाले नन्हे मेहमान का प्रतीक थे। इस मनमोहक तस्वीर के साथ, कियारा ने लिखा, एक बार फिर सबसे बड़े तोहफे का आशीर्वाद मिला, और व्यक्त किया कि उनका दिल प्यार और आभार से भरा हुआ है। यह खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर बिजली की तरह फैल गई। फैंस और बॉलीवुड जगत की हस्तियों ने इस जोड़े को तुरंत बधाई देना शुरू कर दिया। जाने-माने फिल्म निर्माता करण जौहर ने लाल दिल और बुरी नजर से बचाने वाले इमोजी के साथ अपना प्यार और शुभकामनाएं भेजीं।

दृश्यमः द कन्क्लूज़न ने एक हफ्ते बाद तोड़ा दृश्यम 2 का रिकॉर्ड, जानिए कुल कमाई

अजय देवगन की फिल्म दृश्यम: द कन्क्लूजन बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रही है। सिनेमाघरों में 62 करोड़ रुपये से शुरुआत करने वाली यह एक्शन-थ्रिलर दुनियाभर में 400 करोड़ के क्लब में रखने के लिए पूरी तरह से तैयार है। वहीं, घरेलू स्तर पर इस फ्रेंचाइजी ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यही नहीं, अजय की इस फिल्म ने मूल फिल्म मोहनलाल अभिनीत दृश्यम 3 का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। आइए देखें दृश्यम: द कन्क्लूजन की ताजा कमाई।सैकनिल्क के मुताबिक, दृश्यम: द कन्क्लूजन ने रिलीज के 7वें दिन 13 करोड़ रुपये कमाए हैं।इससे पहले, फिल्म ने 6वें दिन 15.50 करोड़, 5वें दिन 19.50 करोड़, चौथे दिन 21 करोड़ और वीकेंड से 176.5 करोड़ रुपये जुटाए थे, जिसके बाद कुल नेट कलेक्शन 245.50 करोड़ रुपये हो गया है।

विदेशों में फिल्म ने 7वें दिन 4 करोड़ कमाए, जिससे कुल विदेशी कमाई 89 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, वैश्विक कलेक्शन 383.60 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।अजय की फिल्म ने 245.50 करोड़ के नेट कलेक्शन के साथ, 2022 में आई दृश्यम 2 के 239.67 करोड़ रुपये के लाइफटाइम भारतीय नेट कलेक्शन को पीछे छोड़ दिया है।

आमिर खान की नई पहल, लेकर आएंगे कविताएं और आम जनता की अनसुनी कहानियां

सुपरस्टार आमिर खान ने देश के जमीनी हुनरबाजों को एक बड़ा मंच देने का फैसला किया है। इसी कड़ी में उन्होंने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म आमिर खान टॉकीज पर एक अनोखा ओपन माइक शो वन्स अपॉन अ माइक शुरू किया है। इसका ऐलान आमिर खान प्रोडक्शन द्वारा किया गया। इस पहल की शुरुआत मशहूर आर्ट कलेक्टिव कम्यून के सहयोग से की गई है। इसके जरिए उन आवाजों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा, जिन्हें मुख्यधारा के मनोरंज में जगह नहीं मिलती।



प्रोडक्शन ने घोषणा करते हुए लिखा, यह वो महफिल है जहां कहानियां उड़ान भरेंगी... यहां अलग अंदाज है और उस अंदाज की एक आवाज भी है।

इस मंच की खास बात यह होगी कि यहां सिर्फ कविताएं नहीं सुनाई जाएंगी, बल्कि रैप, स्पोकन वर्ड और आम जनता की अनसुनी कहानियों को भी दुनिया के सामने लाया जाएगा।

निर्माताओं ने पहला वीडियो भी जारी किया है, जिसकी शुरुआत मुंबई की महिला रैपर सानिया एमक्यू की सच्ची और दमदार कहानी से हुई।



सैफ की बहन सबा पटौदी का खुलासा- सड़क पर गिरी, तब पता चला ब्रेन ट्यूमर है

अभिनेता सैफ अली खान की बहन सबा पटौदी ने 27 साल की उम्र में मस्तिष्क के ट्यूमर से जूझने के अपने मुश्किल अनुभव साझा किए हैं। अभिनेत्री सोहा अली खान के पॉडकास्ट में सबा ने बताया कि उन्हें बीमारी का कोई शुरुआती लक्षण महसूस नहीं हुआ था। एक दिन अचानक वह सड़क पर बेहोश होकर गिर पड़ीं। इसके बाद कराई गई चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) जांच में उनके मस्तिष्क के तीसरे निलय में एक संदिग्ध गांठ का पता चला। करीब छह महीने बाद हुई शल्य चिकित्सा में चिकित्सकों ने इसे 'पायलोसाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा' नामक ट्यूमर के रूप में पहचाना।

सबा ने बीमारी के शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें पहले से किसी तरह की परेशानी नहीं थी। एक दिन घर से बाहर निकलने पर उन्हें पेट में कुछ गड़बड़ी महसूस हुई। चूंकि उनका पेट पहले से संवेदनशील रहता था, इसलिए उन्हें लगा कि शायद खाने-पीने की वजह से ऐसा हुआ है।हालांकि, कुछ ही देर में उनकी आंखों के सामने अंधेरा छाने लगा और वह सड़क पर बेहोश होकर गिर पड़ीं। सबा ने बताया कि पहले भी वह कभी-कभी बेहोशी जैसी स्थिति को रक्तचाप में बदलाव या तेज रोशनी से जोड़कर देखती थीं, लेकिन इस बार अनुभव अलग था।

अचानक असहज महसूस होने पर उन्होंने अपनी दोस्त से घर लौटने के लिए कहा। इसी दौरान उन्हें सब कुछ धुंधला दिखाई देने लगा और वह गिर पड़ीं। होश आने पर उन्होंने खुद को इमारत के बाहर सड़क पर पाया। वह स्थिति को समझ पातीं, उससे पहले ही दोबारा बेहोश हो गईं।

सबा के मुताबिक, पूरी तरह होश में आने में करीब 20 से 25 मिनट लगे। इसके बावजूद उनके सिर में भारीपन बना हुआ था।घटना के बाद चिकित्सकों ने सबा की एमआरआई जांच कराई। इसमें मस्तिष्क के तीसरे निलय में एक संदिग्ध गांठ दिखाई दी। ट्यूमर की स्थिति को देखते हुए शुरुआती जांच में चिकित्सकों ने इसके कोलॉयड सिस्ट होने की आशंका जताई थी।इसके बाद करीब छह महीने तक जांच और उपचार की प्रक्रिया चली। अंततः सबा की मस्तिष्क की शल्य चिकित्सा की गई। ऑपरेशन के बाद चिकित्सकों ने गांठ की पहचान पायलोसाइटिक एस्ट्रोसाइटोमा के रूप में की। यह एक प्रकार का मस्तिष्क ट्यूमर है, जो आमतौर पर धीमी गति से बढ़ता है।

नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों का दिमाग होता है काफी युवा, वैज्ञानिक खोजने में लगे हैं कारण

नार्कोलेप्सी एक दीर्घकालिक और गंभीर तंत्रिका संबंधी नींद से जुड़ी बीमारी है, जो मस्तिष्क के सोने और जागने के चक्र को नियंत्रित करने की क्षमता को प्रभावित करती है। नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों को अक्सर रात में नींद टूटने और दिन में बहुत ज्यादा नींद आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हालांकि, अब एक अध्ययन से सामने आया है कि इससे पीड़ित लोगों का दिमाग काफी युवा होता है।

यह बीमारी कम कर सकती है दिमाग की जैविक आयु

इस अध्ययन से सामने आया है कि नार्कोलेप्सी के मरीजों के दिमाग में आम तौर पर समय से पहले बूढ़े होने के लक्षण नहीं दिखते, जो आमतौर पर लंबे समय तक नींद में खलल पड़ने से जुड़े होते हैं।नार्कोलेप्सी के 2 मुख्य प्रकार हैं, जिन्हें टाइप 1 और टाइप 2 के नाम से जाना जाता है। दोनों में ही दिन के समय बहुत ज्यादा नींद आती है, लेकिन टाइप 2 में लक्षण आमतौर पर कम गंभीर होते हैं।



क्या कहता है अध्ययन?

नार्कोलेप्सी टाइप 1 में नींद और जागने की प्रक्रिया में गंभीर गड़बड़ी होती है। साथ ही हाइपोक्रेटिन की कमी हो जाती है।हाइपोक्रेटिन एक न्यूरोपेप्टाइड है, जो शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं को नियंत्रित करने में मदद करता है। इनमें जागने और सतर्क रहने की क्षमता शामिल होती है, जिसका संबंध दिमाग में उम्र के साथ होने वाले बदलावों से भी होता है।

इसलिए, इससे समय से पहले दिमाग के बूढ़े होने की संभावना बढ़ने की उम्मीद की जाती है।

वैज्ञानिक नहीं खोज पाए हैं इसकी वजह

हालांकि, शोधकर्ता कहते हैं कि उपलब्ध बायोमार्कर और न्यूरोइमेजिंग के नतीजे इस संभावना का समर्थन नहीं करते। इसके बजाय इसका उल्टा असर देखने को मिलता है।कुछ सबूत बताते हैं कि हाइपोक्रेटिन की कमी से यह प्रभाव बदल सकता है कि नींद की गड़बड़ी किसी व्यक्ति के दिमाग पर कैसे असर डालती है। वैज्ञानिक अभी तक यह जान नहीं पाए हैं कि नार्कोलेप्सी से पीड़ित लोगों का दिमाग जवान क्यों रहता है।इस संबंध में और अध्ययन की जरूरत होगी।

नार्कोलेप्सी के इलाज के तरीके

नार्कोलेप्सी एक लंबे समय तक रहने वाली न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसका कोई पक्का इलाज नहीं है। हालांकि, डॉक्टर की सलाह से दी गई दवाइयां, जीवनशैली की आदतों और व्यवहार से जुड़े तरीकों से इसके लक्षणों को कम किया जा सकता है। अगर आप हर दिन एक ही समय पर सोएं और जागें तो आपको फायदा हो सकता है। साथ ही अच्छा माहौल बनाने और हल्की एक्सरसाइज करने से भी लाभ होता है।

लंबे समय तक काम करने वाले लोगों के लिए 5 पोषण संबंधी टिप्स

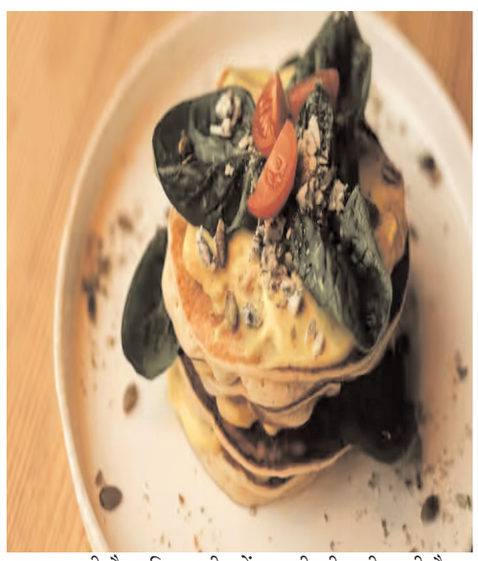
लंबे समय तक काम करने वाले लोगों के लिए सही पोषण बहुत जरूरी है। चाहे आप ऑफिस में काम करें या घर से, आपके खाने-पीने का आपके स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। सही आहार न केवल आपकी ऊर्जा को बनाए रखता है, बल्कि आपको तनाव से भी दूर रखता है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार पोषण सुझाव देंगे, जो आपके कामकाजी जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

नाश्ता कभी न छोड़ें

नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन होता है। इसे कभी भी छोड़ना नहीं चाहिए क्योंकि यह आपके दिन की शुरुआत करता है और आपको ऊर्जा देता है।सही नाश्ते में अंडे, ओट्स, फल या दही शामिल हो सकते हैं। ये खाने की चीजें प्रोटीन, फाइबर और विटामिन्स से भरपूर होती हैं, जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हैं।इससे आप पूरे दिन ताजगी महसूस करेंगे और आपकी काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी।

पानी पीते रहें

पानी आपके शरीर को तरोताजा रखने में मदद करता है और थकान को दूर करता है।ऑफिस में बैठकर काम करते समय लोग अक्सर पानी पीना भूल जाते हैं, जिससे शरीर में पानी की कमी हो सकती है। हर घंटे एक गिलास पानी पीने की आदत डालें। इसके अलावा आप नारियल पानी या ताजे जूस का भी सेवन कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी



प्यास बुझती है, बल्कि शरीर में ताजगी भी बनी रहती है।

सेहतमंद स्नैक्स रखें

काम करते समय भूख लगना सामान्य बात है, लेकिन फास्ट फूड खाने से बचें। इसके बजाय अपने पास सेहतमंद स्नैक्स रखें जैसे कि बादाम, अखरोट, मूंगफली या मखाने आदि।ये स्नैक्स न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं। इससे आपको ऊर्जा मिलती है और आप थकान महसूस नहीं करते।सेहतमंद स्नैक्स खाने से आपका मन भी प्रसन्न रहता है और आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करते हैं।

दोपहर के खाने का सही उपयोग करें

दोपहर के खाने का सही उपयोग करना बहुत जरूरी है। इसे जल्दी-जल्दी खाने की बजाय आराम से खाएं और अपने खाने पर ध्यान दें।चबाने की आदत डालें ताकि खाना अच्छे से पच सके। खाने में सलाद, सब्जियां, दाल, चावल या रोटी शामिल करें। इससे आपका पेट भरा रहेगा और आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे।इसके अलावा खाने के बाद थोड़ी टहलना भी फायदेमंद होता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है।

रात का खाना समय पर खाएं

रात का खाना समय पर खाना बहुत जरूरी है ताकि सोने से पहले पाचन पूरा हो सके। हल्का खाना जैसे कि सूप या खिचड़ी आदि खा सकते हैं, जो आसानी से पच जाता है।

इसके अलावा सोने से पहले कुछ हल्की कसरत या योगासन भी कर सकते हैं,

जिससे नींद अच्छी आएगी। इन सभी सुझावों को अपनाकर आप अपने कामकाजी जीवन को स्वस्थ और संतुलित बना सकते हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

मध्यावधि चुनावों के बीच छिड़ी बहस 2028 में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन?

ट्रंप ने इस पर कहा- इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी होगी



वाशिंगटन। अमेरिका में नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों की सरगर्मी के बीच देश की भावी राजनीति को लेकर नई बहस छिड़ गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बाद रिपब्लिकन पार्टी का अगला चेहरा कौन होगा और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जगह कौन ले सकता है, इसे लेकर कयास लगाए जाने लगे हैं। हालांकि, जब उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की दावेदारी को लेकर सवाल पूछा गया, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने कोई भी सीधा समर्थन देने से परहेज करते हुए साफ कहा कि इस बारे में बात करना अभी बहुत जल्दबाजी होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कई लोगों का मानना है कि ट्रंप के भरोसेमंद सहयोगी और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को उनकी जगह लेनी चाहिए, लेकिन फिलहाल ऐसा नहीं लगता कि ट्रंप, वेंस को अपना उत्तराधिकारी या अगले राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार के तौर पर समर्थन देने में दिलचस्पी रखते हैं। हाल ही में 80 साल के ट्रंप जो अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं उनसे वाशिंगटन में व्हाइट हाउस में एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यही सवाल पूछा गया कि उनके बाद कौन आ सकता है और क्या वह जेडी वेंस हो सकते हैं। पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस बारे में वेंस या किसी और से कभी कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि देखिए, मैं आपको इतना बता सकता हूं कि वेंस बहुत प्रतिभाशाली और अच्छे इंसान हैं, लेकिन सच कहूं तो... मुझे नहीं लगता कि हमने इस बारे में कभी कोई बातचीत की है। ट्रंप के ठीक पीछे खड़े वेंस ने मुस्कुराते हुए हामी भरी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा कि जी नहीं सर, मैंने भी यही कहा था। ट्रंप ने पत्रकार से कहा कि किसी का समर्थन करने के लिए अभी बहुत जल्दी है। फिलहाल वह और रिपब्लिकन पार्टी 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हालांकि इस बात पर बहस चल रही है कि ट्रंप के बाद कौन आएगा, लेकिन पिछले साल वेंस ने कहा था कि अगर कोई अनहोनी होती है, तो वह अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में जिम्मेदारी संभालने के लिए वह तैयार हैं। इससे परोक्ष रूप से देश के सर्वोच्च पद के लिए उनकी महत्वाकांक्षा झलकती है। पिछले साल अगस्त में एक इंटरव्यू में वेंस ने कहा था कि मुझे पूरा भरोसा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की सेहत अच्छी है, वे अपना बचा हुआ कार्यकाल पूरा करेंगे और अमेरिकी लोगों के लिए बेहतरीन काम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर ईश्वर न करे कोई बड़ी अनहोनी हो जाती है, तो पिछले 200 दिनों में मुझे जो अनुभव मिला है, उससे बेहतर ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग और क्या हो सकती है। हालांकि, ट्रम्प ने वेंस को अपना उत्तराधिकारी मानने से इनकार कर दिया है, जिसके चलते अब इस बात पर फिर से बहस छिड़ गई है कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी जगह कौन लेगा।



यूनान में भी छात्र घरों की बढ़ती कीमतों और शिक्षा में दी जा रही सहायता में कमी के विरोध में प्रदर्शन कर फ्रांसीसी और स्पेनिश छात्रों से एकजुटता दिखाते हुए।

इस्लामिक नाटो समझौता: सऊदी में 10 साल तक रहेगी पाकिस्तानी सेना

दुबई। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच बहुप्रतीक्षित मक्का संयुक्त रक्षा समझौते (एमजेडीए) का पूरा मसौदा अब सामने आ गया है। इस समझौते को नाटो की तर्ज पर इस्लामिक नाटो की संज्ञा दी जा रही है और तुर्किये ने इसे अपनी संसद में मंजूरी के लिए पेश किया है। इसका मुख्य उद्देश्य सामूहिक सुरक्षा, सैन्य सहयोग और रक्षा क्षेत्र में तीनों देशों के बीच तालमेल को मजबूत करना है। समझौते के ड्राफ्ट में एक और महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि पाकिस्तान की सेना सऊदी अरब में कम से कम 10 साल तक तैनात रह सकती है। मसौदे के अनुसार, इस समझौते का सबसे अहम प्रावधान अनुच्छेद 2 है, जो किसी भी सदस्य देश पर बाहरी सशस्त्र हमले की स्थिति में सामूहिक प्रतिक्रिया की बात करता है। यदि तीनों सदस्य देशों में से किसी एक पर भी सशस्त्र हमला होता है, तो इसे सभी देशों पर हमला माना जाएगा और शेष दोनों देश हमले का सामना कर रहे देश की तुरंत मदद करेंगे। हालांकि, मदद का स्वरूप और उसकी मात्रा परिस्थितियों के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन पर निर्भर करेगी, जिसका अर्थ है कि हर हमले में सैन्य बल भेजना अनिवार्य नहीं होगा। यह समझौता सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल, संयुक्त सैन्य अभ्यास, और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने का भी प्रावधान करता है। इसमें हथियारों, गोला-बारूद, ईंधन और अन्य जरूरी सैन्य उपकरणों की आपूर्ति में सहयोग शामिल है। तीनों देश रक्षा तकनीक और सैन्य उत्पादन में भी मिलकर काम कर सकते हैं, जिससे उनके रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ने की संभावना है। आतंकवाद और अन्य सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए खुफिया जानकारी साझा करने और सुरक्षित संचार माध्यमों के इस्तेमाल पर भी जोर दिया गया है। समझौते के ड्राफ्ट में एक और महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि पाकिस्तान की सेना सऊदी अरब में कम से कम 10 साल तक तैनात रह सकती है। इस गठबंधन के सहयोग को संस्थागत रूप देने के लिए एक रणनीतिक राजनीतिक और रक्षा समिति बनाई गई है, जिसमें विदेश और रक्षा मंत्रियों के साथ सैन्य नेतृत्व के प्रतिनिधि शामिल हैं।

फ्रांस में इमरजेंसी की तैयारी, मैक्रों ने उपद्रवियों को दी कड़ी चेतावनी

पेरिस। फ्रांस में 17 अक्टूबर को शुरू हुई हिंसक घटनाओं और बड़े पैमाने पर हुई लूटपाट ने देश में तनाव बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को इस गंभीर स्थिति पर कड़ा रुख अपनाया। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में उन्होंने उपद्रवियों को चेतावनी देते हुए कहा कि तोड़फोड़ और अराजकता फैलाने वाले हर व्यक्ति को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे और उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। देश के बिगड़ते हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने सोमवार को एक आपातकालीन बैठक बुलाई। उन्होंने घोषणा की कि सोमवार शाम से प्रभावित इलाकों में आंशिक कर्फ्यू लगाया जाएगा। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि अगर हिंसा पर जल्द काबू नहीं पाया गया, तो सरकार पूरे देश में आपातकाल लागू करने से भी पीछे नहीं हटेगी। हिंसा में करीब सौ पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं। मैक्रों ने हिंसा रोकने के लिए जल्द से जल्द पुलिस की नई रणनीतियां लागू करने का निर्देश भी दिया है। इससे पहले पेरिस, लियोन, मार्सेई और अन्य शहरों की सड़कों पर व्यापक आगजनी की गई। इस बीच, मैक्रों ने गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इससे पहले नुनेज ने इस्तीफा देने की पेशकश की थी, लेकिन मैक्रों ने उनसे आपात स्थिति में पद पर बने रहने का आग्रह किया था।

ट्रंप ने विदेशी स्कैम सेंटरों, साइबर अपराधियों के खिलाफ साइबर युद्ध छेड़ा

वाशिंगटन। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पहली बार विदेशी ऑनलाइन ठगी नेटवर्क और स्कैम सेंटरों के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई की है। व्हाइट हाउस में साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी पर आयोजित बैठक में व्हाइट हाउस के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से कहा कि आपके हस्ताक्षर वाले कार्यकारी आदेश के बाद पहली बार हम विदेशी स्कैम सेंटरों को खत्म करने, बाधित करने और निष्क्रिय करने के लिए आक्रामक साइबर क्षमताओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा पहले कभी नहीं किया गया था।

हिंसक प्रदर्शन पर मेलोनी बोलीं- नाबालिगों के माता-पिता से वसूला जाएगा हर्जाना

रोम। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने मिलान में हिंसक प्रदर्शनों, लूटपाट और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की घटनाओं के बाद सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिए नए उपायों की घोषणा की है। सरकार साल के अंत तक मिलान में 500 अतिरिक्त सैनिक तैनात करेगी। साथ ही, नाबालिगों की ओर से किए गए उपद्रव से हुए नुकसान की भरपाई उनके माता-पिता से कराने का प्रावधान भी किया जाएगा। सरकार की नई योजना के तहत 14 वर्ष से अधिक उम्र के नाबालिगों के खिलाफ मुकदमा चलाने की प्रक्रिया आसान बनाने का प्रस्ताव है। हिंसक प्रदर्शन में शामिल लोगों को पांच वर्ष तक की जेल और 20 हजार यूरो तक जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। सरकार ने हिंसा पर अंकुश लगाने और आरोपियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाने की भी बात कही है। मिलान में हिंसा से भारी नुकसान शनिवार को मिलान में प्रदर्शन के दौरान दुकानों में लूटपाट की गई, संपत्तियों में आग लगाई गई और पुलिस के साथ झड़पें हुईं। इन घटनाओं से करीब 10 लाख यूरो का नुकसान होने का अनुमान है। प्रधानमंत्री मेलोनी ने कहा कि दुकानों को लूटने, खिड़कियां तोड़ने और सुरक्षा बलों पर हमले जैसी घटनाओं को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि मंत्रिपरिषद ने हिंसा को रोकने और उससे निपटने के लिए नए उपायों वाला आदेश पारित किया है। ये कदम हाल के महीनों में मंजूर किए गए सुरक्षा उपायों के अतिरिक्त होंगे। इनमें बायोमेट्रिक पहचान के जरिए, जरूरत पड़ने पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से भी, नकाब या हुड पहनकर पहचान छिपाने वालों की पहचान करने का प्रावधान शामिल है। मेलोनी ने प्रदर्शनों में कम उम्र के युवाओं और नाबालिगों की भागीदारी पर चिंता जताई।

मध्यावधि चुनाव से पहले ट्रंप को झटका, लोकप्रियता हुई धड़ाम

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लोकप्रियता में लगातार गिरावट आ रही है, जो आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए चिंता का विषय बन गई है। एक हालिया सर्वेक्षण के मुताबिक, केवल 31 फीसदी अमेरिकी ही ट्रंप के कामकाज से संतुष्ट हैं, जो उनके दोनों राष्ट्रपति कार्यकालों में अब तक का सबसे निचला स्तर है। यह आंकड़ा 3 नवंबर को होने वाले मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले सामने आया है, जहां प्रतिनिधि सभा और सीनेट की सीटों के लिए मतदान होना है। सर्वेक्षण में कांग्रेस के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी को रिपब्लिकन पार्टी पर 12 अंकों की महत्वपूर्ण बढ़त मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 47 फीसदी पंजीकृत मतदाता डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट देने की बात कह रहे हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी के पक्ष में केवल 35 फीसदी मतदाता हैं। दो सप्ताह पहले के मुकाबले ट्रंप की लोकप्रियता एक प्रतिशत अंक और गिरी है, जबकि डेमोक्रेट का समर्थन 44 से बढ़कर 47 प्रतिशत और रिपब्लिकन का समर्थन 37 से घटकर 35 प्रतिशत हो गया है। इन नतीजों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रतिनिधिसभा और सीनेट दोनों सदनों में बहुमत हासिल करने की उम्मीदों को मजबूत किया है।

अमेरिकी मिडटर्म चुनाव: चुनावी सर्वे में ट्रम्प की राह दिख रही मुश्किल



10 में से नौ सर्वे में रिपब्लिकन को दिखाया पीछे, महंगाई और ईरान युद्ध से राष्ट्रपति की लोकप्रियता घटी

वॉशिंगटन। अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनाव राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़ी चुनौती बनते दिख रहे हैं। महंगाई, ईरान के साथ युद्ध और राष्ट्रपति की घटती लोकप्रियता के बीच पार्टी को कांग्रेस में अपना बहुमत बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। उपलब्ध 10 प्रमुख जनमत सर्वेक्षणों में से नौ में रिपब्लिकन पार्टी पीछे बताई गई है। हालांकि, चुनाव से पहले के सर्वे अंतिम नतीजों की गारंटी नहीं होते। मिडटर्म चुनाव में राष्ट्रपति का चुनाव नहीं होता, बल्कि अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के दोनों सदनों—हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट की सीटों के लिए मतदान होता है। फिलहाल दोनों सदनों में रिपब्लिकन पार्टी को मामूली बहुमत हासिल है। यदि डेमोक्रेटिक पार्टी पर्याप्त सीटें जीत लेती है, तो वह एक या दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर सकती है। इससे ट्रम्प के लिए अपने एजेंडे को लागू करना कठिन हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न मीडिया सर्वेक्षणों में ट्रम्प की कामकाज संबंधी स्वीकृति दर 30 से 36 प्रतिशत के बीच बताई गई है। एनबीसी न्यूज के सर्वे में 34 प्रतिशत, वॉशिंगटन पोस्ट-एबीसी न्यूज के सर्वे में 33 प्रतिशत और फॉक्स न्यूज के सर्वे में 36 प्रतिशत लोगों ने उनके कामकाज का समर्थन किया। प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे में यह आंकड़ा 30 प्रतिशत रहा। महंगाई भी रिपब्लिकन पार्टी के लिए बड़ी चिंता बन गई है। वर्ष 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प ने कीमतें घटाने और लोगों का खर्च कम करने का वादा किया था। लेकिन खाद्य पदार्थों, आवास और ऊर्जा की लागत को लेकर असंतोष बना हुआ है। रॉयटर्स-इप्सोस सर्वे के मुताबिक, 78 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वस्तुओं की कीमतें उनकी कमाई से अधिक तेजी से बढ़ रही हैं। एक अन्य सर्वे के अनुसार, 65 प्रतिशत अमेरिकी महंगाई के लिए ट्रम्प की नीतियों को जिम्मेदार मानते हैं। ईरान के साथ युद्ध ने ट्रम्प प्रशासन की मुश्किलें बढ़ाई हैं। युद्ध के कारण तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ने से आम लोगों के खर्च में और वृद्धि की आशंका है। मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, कड़े मुकाबले वाली 62 सीटों में से 41 सीटों पर रिपब्लिकन उम्मीदवार ट्रम्प की कुछ नीतियों से असहमति जता रहे हैं या उनसे दूरी बनाए हुए हैं। उम्मीदवारों के सामने चुनौती यह है कि ट्रम्प के साथ अधिक नजदीकी उन्हें उनकी घटती लोकप्रियता का नुकसान पहुंचा सकती है, जबकि उनसे ज्यादा दूरी बनाने पर पार्टी के कट्टर समर्थक नाराज हो सकते हैं। यदि डेमोक्रेट्स कांग्रेस के एक या दोनों सदनों में बहुमत हासिल कर लेते हैं, तो वे बजट, सरकारी खर्च और कानूनों से जुड़े ट्रम्प के प्रस्तावों को रोक सकते हैं। साथ ही, उनके प्रशासन के कामकाज की निगरानी और जांच भी बढ़ सकती है। हालांकि, रिपब्लिकन पार्टी के पास चुनाव प्रचार के लिए मजबूत संसाधन हैं और अंतिम परिणाम कई सीटों पर उम्मीदवारों के प्रदर्शन तथा मतदाताओं के रुख पर निर्भर करेगा।

सऊदी अरब में माथा चूमने पर दे दी मौत की सजा

दुबई। सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में एक मस्जिद के भीतर कथित तौर पर अनैतिक हरकत के आरोप में दो बांग्लादेशी नागरिकों को गुप्त रूप से मौत की सजा दिए जाने के बाद अंतरराष्ट्रीय और राजनयिक विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्टों के अनुसार, 14 अक्टूबर को नजरुल इस्लाम अब्दुल बासिर और सिति अख्तर नाम के इन दो नागरिकों को मौत की सजा दी गई। हालांकि, सऊदी अधिकारियों ने इस बात की कोई विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है कि उनके द्वारा कथित तौर पर किस प्रकार का अनैतिक कार्य किया गया था। इस बीच, सऊदी मीडिया और सोशल मीडिया पर यह दावे तेजी से फैले कि दोनों को मस्जिद में एक-दूसरे को किस (चूमने) या माथे पर किस करने के आरोप में फांसी दी गई। हालांकि, कई कानूनी विशेषज्ञों ने आधिकारिक बयान के अभाव में इन दावों को अफवाह करार दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक, दोनों बांग्लादेशियों को इस्लामी कानून की ताज़ीर श्रेणी के तहत मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसमें अपराध की गंभीरता को देखते हुए सजा तय करने का अधिकार न्यायाधीश के विवेक पर निर्भर होता है।

संक्षिप्त समाचार

यीशु से मिलने की चाह में 190 बच्चों को भूखा मारने वाला पादरी दोषी

मोम्बासा। केन्या के इतिहास के सबसे खौफनाक और हैरान कर देने वाले धार्मिक कट्टरपंथ मामले में वहां की एक अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। मोम्बासा की एक अदालत ने स्वयंभू पादरी पॉल मैकेन्जी और उसके 28 सहयोगियों को शाकाहोला जंगल में अंधविश्वास के नाम पर 190 बच्चों और एक वयस्क की हत्या का दोषी करार दिया है। न्यायाधीश डायना कावेद्जा मोचाचे ने फैसला सुनाते हुए कहा कि प्रॉसीक्यूशन ने साबित कर दिया है कि पादरी ने अपने 800 एकड़ के आश्रम में मौत का एक व्यवस्थित पदानुक्रम तैयार किया था। इसके तहत अनुयायियों और मासूम बच्चों को यीशु से मिलने की चाह में भूखा मारकर तड़पा-तड़पा कर मार डाला गया। फैसले के बाद कोर्ट रूम में मौजूद पीड़ितों के परिजनों की आंखें नम थीं। 62 साल के फ्रैंकिस वांजे, जिन्होंने इस कल्ट में अपनी बेटी और दो पोते-पोतियों समेत परिवार के 8 सदस्यों को खो दिया, ने कहा कि इतने सालों के इंतजार के बाद आखिरकार कुछ इंसाफ तो मिला है। पादरी मैकेन्जी के अलग रह रहे 24 साल के बेटे डैन ने भी फैसले पर राहत जताते हुए कहा कि पीड़ितों के साथ न्याय हुआ है। पॉल मैकेन्जी और उसके 28 दोषियों को अदालत 6 नवंबर 2026 को सजा सुनाएगी। अदालत की सुनवाई में सामने आए तथ्यों के अनुसार, पादरी पॉल मैकेन्जी ने साल 2003 में चर्च की स्थापना की थी। उसने अपने अनुयायियों को उकसाया कि दुनिया का अंत नजदीक है और ईसा मसीह से मिलने के लिए उन्हें कठोर उपवास रखकर अपनी जान देनी होगी। मैकेन्जी के आदेश पर सबसे पहले बच्चों को भूखा रखकर मारा गया, उसके बाद किशोरों, फिर महिलाओं और अंत में पुरुषों की बारी तय की गई थी। जज ने कहा कि कट्टरपंथ का सबसे क्रूर रूप यह था कि माताओं ने अपने ही बच्चों को खाना देने से मना कर दिया और उन्हें तिल-तिल कर मरने दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, कई बच्चों की मौत भुखमरी, दम घुटने, गर्दन दबाने और सिर पर गंभीर चोट लगने से हुई।

अबू धाबी की मस्जिद में बुर्का पहनकर पहुँचीं मलाइका, उठे धर्म परिवर्तन के सवाल

आबूधाबी। बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल मलाइका अरोड़ा हाल ही में अबू धाबी स्थित प्रसिद्ध शेख जायद ग्रैंड मस्जिद के दर्शन करने पहुँचीं, इसके बाद वे सोशल मीडिया पर भारी ट्रोलिंग और विवादों में घिर गई हैं। मस्जिद परिसर से सामने आई तस्वीरों और वीडियो में मलाइका पारंपरिक बुर्के में दिख रही हैं, जिसमें उन्होंने अपना सिर पूरी तरह ढका हुआ है। इन तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते ही इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने उन्हें आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने मलाइका की यात्रा पर आपत्ति जताकर धार्मिक पहनावे में मॉडलिंग करार दिया। वहीं, अनेक यूज़र्स ने सीधा सवाल पूछ लिया कि क्या उन्होंने इस्लाम धर्म अपना लिया है। कुछ ट्रोलर्स ने उनकी तुलना अन्य विवादित हस्तियों से की, तब कुछ ने यह तंज़ कसा कि क्या उन्होंने भारत के प्रसिद्ध राम मंदिर, जगन्नाथ मंदिर या तिरुपति बालाजी के दर्शन भी इतनी श्रद्धा के साथ किए हैं। इस मस्जिद यात्रा के दौरान मलाइका के साथ योग गुरु और सरवा वेलनेस प्लेटफॉर्म के संस्थापक सर्वेश शशि भी मौजूद थे। दोनों को एक साथ देखकर सोशल मीडिया पर उनके रिश्ते को लेकर भी कयासों का बाज़ार गर्म हो गया और यूज़र्स ने उनके बीच नए अफेयर की चर्चा शुरू कर दी। फोर्ब्स 30 अंडर 30 एशिया सूची में शामिल रह चुके सर्वेश और मलाइका की साथ में कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं। हालाँकि, अपने धर्म परिवर्तन की अफ़वाहों, सर्वेश शशि के साथ जुड़ रहे नाम और सोशल मीडिया पर हो रही भयंकर ट्रोलिंग को लेकर मलाइका की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान या प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अभिनेता अरबाज़ खान से तलाक और अर्जुन कपूर के साथ ब्रेकअप के बाद अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहने वाली मलाइका इस नई घटना के कारण एक बार फिर चर्चा और विवाद के केंद्र में आ गई हैं।

रूस ने अमेरिकी नागरिक हबर्ड को बिना शर्त रिहा किया : ट्रंप का दावा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ हुई फोन बातचीत के बाद रूस ने अमेरिकी नागरिक स्टीफन हबर्ड को बिना किसी शर्त के रिहा किया है। व्हाइट हाउस में साइबर अपराध पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने बताया कि जब वे पुतिन से यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के मुद्दे पर बात कर रहे थे, तभी उन्होंने हबर्ड की रिहाई की मांग रखी थी, इस रूसी राष्ट्रपति ने तुरंत स्वीकार किया। हबर्ड को रिहा कर दिया गया है और वे अपने परिवार तथा अमेरिकी अधिकारियों के साथ विमान से वापस अमेरिका लौट रहे हैं। ट्रंप ने विशेष जोर दिया कि स्टीफन हबर्ड की रिहाई के बदले अमेरिका ने रूस को कोई रियायत या मुआवजा नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका कभी भी इसतरह के मामलों में बदले में कुछ देने की नीति पर काम नहीं करता, क्योंकि ऐसा करने से भावी समस्याएं और बढ़ जाती हैं। उन्होंने बताया कि हबर्ड और उनका परिवार इस फैसले से बेहद खुश हैं, क्योंकि उन्हें डर था कि हबर्ड को अगले 20-25 वर्षों तक जेल में ही सड़ना पड़ेगा। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उन्होंने रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंध या आक्रामक कदम उठाने के दबाव को नजरअंदाज किया, क्योंकि ऐसा करने से न केवल यूक्रेन शांति वार्ता को नुकसान पहुँचता, बल्कि हबर्ड की रिहाई भी असंभव हो जाती। रूस के साथ-साथ ट्रंप ने वैश्विक मुद्दों और ईरान की स्थिति पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि अमेरिकी कार्रवाइयों के कारण ईरान की सैन्य और आर्थिक ताकत बुरी तरह टूट चुकी है। उसकी वायु रक्षा प्रणाली और शीर्ष नेतृत्व प्रभावित हुए हैं, जिससे वह काफी कमजोर स्थिति में पहुँच गया है। ट्रंप ने इस बात पर राहत जताई कि मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्रीय संघर्षों में रूस और चीन की भागीदारी बेहद सीमित रही है। उन्होंने कहा कि रूस और चीन दोनों ही युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं और अमेरिका इस दिशा में उनके साथ मिलकर काम कर रहा है।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को दिखाया आईना, आतंकवाद और दाऊद को लेकर घेरा

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंकवाद और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के मुद्दे पर करारा जवाब दिया है। यूएन की थर्ड कमेटी में भारत के फर्स्ट सेक्रेटरी रघु पुरी ने स्पष्ट रूप से कहा कि रिपोर्टों में तथ्यात्मक गलतियां अस्वीकार्य हैं, खासकर जब डी-कंपनी के सरगना डॉन दाऊद इब्राहिम का अल-कायदा से संबंध बताने वाले संदर्भ को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा हो। पुरी ने जोर देकर कहा कि दाऊद इब्राहिम 1993 से भारत में हुए आतंकवादी हमलों के सिलसिले में फरार है और संयुक्त राष्ट्र के 1267 प्रतिबंध तंत्र के तहत उसकी सूचीबद्धता के कारणों में भी इसका स्पष्ट उल्लेख है। उन्होंने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए ओसामा बिन लादेन का उदाहरण दिया, जिसे उसी देश में खोजकर मार गिराया गया था, जहां दाऊद इब्राहिम के रहने की बात कही जाती है। यह अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान की उस पुरानी बात को खारिज करता है कि उसकी धरती पर कोई आतंकवादी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने साफ तौर पर कहा कि मानवाधिकारों के ढांचे को आतंकवादियों, कट्टरपंथ और उग्रवाद फैलाने वालों की शरणस्थली नहीं बनने दिया जा सकता। पुरी ने दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता, चाहे कोई भी बहाना क्यों न दिया जाए। यह पाकिस्तान के उस रवैये पर सीधा हमला था। पाकिस्तान की तरफ से दिए गए बयान पर निशाना साधते हुए पुरी ने इसे संकीर्ण राजनीतिक लाभ के लिए किया गया दुष्प्रचार बताया। उन्होंने पाकिस्तान की आंतरिक राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि वहां की सेना ही वास्तविक शासक है, जिससे पाकिस्तान के लोकतांत्रिक दावों की पोल खुलती है।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली
भोपाल, शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026
www.rashtriyagarima.com

पंजाब में हॉकी का महाकुंभः घर वापसी का भावनात्मक अवसर



जालंधर। अगले सप्ताह से भारतीय हॉकी के कई सितारे यहां होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में खेलते दिखेंगे। जालंधर और मोहाली में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, मंदीप सिंह, जरमनप्रीत सिंह, दिलप्रीत सिंह और कृष्ण बहादुर पाठक जैसे कई दिग्गज खिलाड़ी अपने घरेलू मैदान पर खेलते दिखेंगे। यह उनके लिए सिर्फ एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अपने जड़ों से जुड़ने और उस मैदानों पर खेलने का एक भावनात्मक अवसर है, जहाँ से उन्होंने शुरुआत की थी। जालंधर स्थित सुरजीत हॉकी अकादमी का मैदान इन खिलाड़ियों के लिए विशेष महत्व रखता है। यहीं पर इनमें से कई सितारों ने अपने करियर की शुरुआत की रखी और बड़े सपने देखने का साहस जुटाया। इसी को देखते हुए अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने इस अवसर पर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलना उनके लिए बेहद भावुक क्षण होगा। उन्होंने बताया, सुरजीत हॉकी अकादमी में बिताए समय ने हमें सिर्फ हॉकी खेलना ही नहीं सिखाया, बल्कि हमें बड़े सपने देखने की हिम्मत भी दी। मनप्रीत, जिन्होंने 2011 में सीनियर स्तर पर पदार्पण किया था, अपने करियर में 430 मैच खेल चुके हैं और दो ओलंपिक पदक सहित एशियाई खेलों में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे हैं। वहीं युवा फॉरवर्ड दिलप्रीत सिंह के लिए भी यह टूर्नामेंट खास है, क्योंकि उनका करियर यहीं से शुरू हुआ था। उन्होंने याद किया, मैंने यहीं से अपनी पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप खेली थी और उसके बाद भारतीय टीम में चयन हुआ। उनके माता-पिता भी बेसब्री से उसे घरेलू मैदान पर खेलते देखने का इंतजार कर कर रहे हैं। वहीं टीम में वापसी कर रहे गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने कहा कि सुरजीत अकादमी से जुड़े खिलाड़ियों के लिए यह और भी खास है, क्योंकि वे उसी मैदान पर खेलेंगे जहाँ उन्होंने सात साल तक हॉकी सीखी। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह के लिए भी यह यादगार होगा, क्योंकि उनका पूरा परिवार, जिसमें उनके पिता भी शामिल हैं, पहली बार उन्हें स्टेडियम में देश के लिए खेलते हुए देखने आएगा। जरमनप्रीत सिंह ने भी बताया कि सुरजीत स्टेडियम ने उन्हें उड़ान भरने के लिए पंख दिए और उन्हें टीम में वापसी के लिए कड़ी मेहनत करने का अवसर प्रदान किया। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अलावा मलेशिया, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया और बांग्लादेश की टीमें खिताब के लिए उतरेंगी। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड पांच बार यह टूर्नामेंट जीता है। लीग चरण के बाद, सेमीफाइनल और पदक मुकाबले 4 और 5 नवंबर को मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

सिराज की कप्तानी में हैदराबाद रणजी में पहले दोनो मैच जीतकर शीर्ष पर पहुंची

नई दिल्ली। मोहम्मद सिराज की कप्तानी में हैदराबाद क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने दोनो मैच जीत लिए हैं। हैदराबाद ने पहले मैच में त्रिपुरा को पारी और 40 रनों से हराने के बाद दूसरे मैच में आंध्र प्रदेश को 267 रनों के विशाल अंतर से हराया। इन दो शानदार जीत के साथ ही हैदराबाद की टीम एलीट ग्रुप बी अंक तालिका में नंबर एक पर पहुंच गयी है। आंध्र प्रदेश के खिलाफ एसीए स्टेडियम, मुलपाडु में खेले गए मुकाबले में हैदराबाद ने हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया। मैच के अंतिम दिन हैदराबाद की टीम जीत से केवल कुछ कदम दूर थी और मैदान पर उतरने के बाद उसने 27 ओवरों से भी मुकाबला जीत लिया। वहीं आंध्र प्रदेश की टीम मुकाबले में टिक नहीं पायी। उसके कप्तान रिकी भुई शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। दूसरे बल्लेबाज एसवी. राहुल भी टिक नहीं पाये। ड्रिंक्स ब्रेक के बाद 23वें ओवर में स्पिनर तनय त्यागराजन ने एक ही ओवर में विकेट लेकर आंध्र प्रदेश को करारा झटका दिया। उन्होंने पहले हेमंत रेड्डी को एलबीडब्ल्यू और फिर सौरभ कुमार को आउट कर दिया। इसके बाद रेवंत रेड्डी ने पारी संभालने का प्रयास किया पर असफल रहे। अनिकेत रेड्डी, ने अंतिम सत्र में दो विकेट लेकर आंध्र प्रदेश को दबाव में ला दिया था, आंध्र की पारी के साथ ही मैच भी लंच से पहले ही समाप्त हो गया। . इस शानदार जीत से हैदराबाद को पूरे छह अंक मिले और टीम 13 अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गयी है। इस मैच में जीत के नायक तनय त्यागराजन रहे, इस गेंदबाज ने पूरे मुकाबले में कुल 11 विकेट लिए और इसके साथ ही दूसरी पारी में नाबाद अर्धशतक भी लगाया। अब 26 अकटूबर को होने वाले अगले मैच में हैदराबाद की कप्तानी सी.वी. मिलिंद करेंगे। इसका कारण है कि सिराज न्यूजीलैंड पर रवाना हो गये हैं।

चैंपियंस लीग फुटबॉल में रियल मैड्रिड और रियल बेटिस जीते

मैड्रिड। स्पेन में जारी चैंपियंस लीग फुटबॉल में रियल मैड्रिड ने आरबी लीपजिग को 4-1 से हरा दिया। अब रियल का मुकाबला एफ सी बार्सिलोना से होगा। लीपजिग के खिलाफ मुकाबले में रियल शुरुआत से ही हावी रही। 43 वें मिनट में बर्नार्डो सिल्वा ने गोल कर रियल को बढ़त दिला दी जिसे गुलर ने 52वें मिनट में एक गोल कर 2-0 तक पहुंचा दिया। स्टार फुटबॉलर कॉलियन एमबाप्पे ने खेल समाप्त होने के सात मिनट पहले 83वें मिनट में, रियल की ओर से तीसरा गोल दागा। स्थानापन्न खिलाड़ी यान डियोमांडे ने एमबीप्पे को एक शानदार असिस्ट दिया, जिसकी बदौलत एमबीप्पे ने ये गोल दागा जिससे स्कोर 3-0 हो गया।वहीं लीपजिंग की ओर से टिडियम गोमिस ने 85वें मिनट में एकमात्र गोल किया। 87 वें मिनट में ब्राहिम डियाज़ के सटीक क्रॉस पर डियोमांडे ने जोरदार शॉट लगाकर गोल दागकर स्कोर 4-1 कर दिया। वहीं मैच समाप्त होने के तीन मिनट पहले रियल ने 87वें मिनट में एक और गोल दाग दिया। एक अन्य चैंपियंस लीग मुकाबले में रियल बेटिस ने फेयेनूर्द को 1-0 से हराया। इस्को की ने 59वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर बेटिस को जीत दिलायी। इस जीत के साथ बेटिस लीग चरण में हावी हो गयी है। वहीं कप्तान इस्को बेटिस के लिए लगातार चैंपियंस लीग मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। वहीं फेयेनूर्द की ओर से विंगर अनीस हाज मूसा ने लगातकर हमले किये पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पाये।

भारतीय क्रिकेट टीम ने पहले टी20 में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी

क्राइस्टचर्च। भारतीय क्रिकेट टीम ने मेजबान न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया है। भारतीय टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद अंतिम ग्यारह में वापसी हुई है। उन्होंने अंतिम टी20 मैच भी चार साल पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ ही न्यूजीलैंड में खेला था, जिससे यह वापसी और भी खास हो जाती है। भुवनेश्वर के साथ नितीश रेड्डी और मयंक यादव को भी भारतीय टीम की अंतिम एकादश में जगह मिली है, जो टीम की गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती प्रदान करेंगे। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह और मयंक यादव संभालेंगे, वहीं नितीश रेड्डी भी तेज गेंदबाजी में सहयोग करेंगे। स्पिन विभाग की जिम्मेदार नमन धीर और अनुभवी अक्षर पटेल के हाथों में होगी, जो मध्य ओवरों में रनों पर अंकुश लगाने और विकेट निकालने का प्रयास करेंगे। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर अंतिम एकादश में मौका नहीं मिल पाया है, जो टीम की संतुलन रणनीति का हिस्सा लगता है। वहीं मेजबान कीवी टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण में नाथन स्मिथ, एडम मिल्ने, मैट हेनरी और लॉकी फर्ग्यूसन जैसे नाम शामिल हैं, जो भारतीय बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं। जबकि ग्लेन फिलिप्स, ब्रेसवेल और खुद कप्तान मिशेल सेंटनर स्पिन गेंदबाजी की बागडोर संभालेंगे, जो पिच से मिलने वाली किसी भी मदद का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला एक रोमांचक सीरीज की शुरुआत का संकेत दे रहा है।

भारत की अंतिम ग्यारह = संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, अर्शदीप सिंह, मयंक यादव।

न्यूजीलैंड की अंतिम ग्यारह = फिन एलन, टिम साइफर्ट (विकेटकीपर), डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, बेवन जैकब्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, एडम मिल्ने, मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन।

एशियाई पैरा खेलों के डिस्कस में सुवर्णा ने जीता स्वर्ण, तीरंदारी में स्वाति को रजत

नागोया। यहां जारी एशियाई पैरा खेलों में भारतीय एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया है। डिस्कस थ्रो में सुवर्णा राज ने स्वर्ण पदक जीता। वहीं तीरंदाजी में स्वाति चौधरी को रजत पदक मिला है। महिलाओं की डिस्कस थ्रो एफ54 इवेंट में सुवर्णा ने 15.66 मीटर का शानदार थ्रो कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने छह प्रयासों में से पांच में 15 मीटर का निशान पार किया, जिससे उनका स्वर्ण पदक पक्का हो गया। वहीं इस स्पर्धा में ईरान की शाहला हदीदी ने 15.45 मीटर थ्रो कर रजत पदक हासिल किया जबकि वियतनाम की थी न्गोक थ्यू गुयेन ने 14.65 मीटर के साथ ही तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता। स्वर्ण विजेता सुवर्णा ने अब तक तीन एशियाई पेरा खेलों के साथ ही कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत की ओर से खेला है। वह अभी एफ54 डिस्कस थ्रो श्रेणी में एशिया में दूसरे नंबर पर हैं। गौरतलब है कि एफ54 क्लासिफिकेशन उन प्रतिस्पर्धियों के लिए है जिन्हें धड़ और निचले अंगों के काम करने में मुश्किलें आती है। इसलिए ये व्हीलचेयर पर बैठकर प्रतिस्पर्धा करते हैं। दूसरी ओर रजत विजेता स्वाति चौधरी ने महिलाओं की डब्ल्यू1 इंडिविजुअल तीरंदाजी में रजत पदक जीतकर अहम उपलब्धि हासिल की है। यह इस श्रेणी में भारत का पहला पदक है, जो स्वाति की असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प को दिखाता है। फाइनल मुकाबले में स्वाति ने चीनी प्रतिद्वंद्वी मेंगकान सेन को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंततः 4-6 से हारकर उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। डब्ल्यू1 श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिन्हें चारों अंगों में गंभीर विकार होते हैं। सीमित वित्तीय संसाधनों और बड़े अंतरराष्ट्रीय ट्रायल्स के लिए कम समर्थन के बावजूद, स्वाति ने लगातार विश्व स्तरीय प्रदर्शन कर अपने को साबित किया है।



नीदरलैंड में जिम्नास्टिक विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेते ब्रिटेन के हेपवर्थ हैवी।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

एंथ्रोपिक को रिकॉर्ड 80.7 अरब डॉलर का घाटा : आईपीओ से पहले वित्तीय चुनौती

वाशिंगटन। एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) कंपनी एंथ्रोपिक ने वर्ष की पहली छमाही में 80.7 अरब डॉलर का भारी शुद्ध घाटा दर्ज किया है, जो नवंबर में प्रस्तावित उसके प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले एक बड़ी वित्तीय चुनौती दिखाता है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी कंपनी के ड्राफ्ट आईपीओ प्रॉस्पेक्टस का हवाला से सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, विशाल घाटे का बड़ा हिस्सा उन अकाउंटिंग चार्जेस से जुड़ा है, जो फंड जुटाने के लिए जारी किए गए कन्वर्टिबल नोट्स और अन्य वित्तीय साधनों के मूल्य में बदलाव के कारण दर्ज किए। इसी अवधि में कंपनी ने 16.3 अरब डॉलर का राजस्व दर्ज किया, लेकिन यह घाटा बीते वर्ष की समान अवधि के 13 अरब डॉलर के शुद्ध घाटे की तुलना में कई गुना अधिक है। इसके अतिरिक्त, कंपनी की कुल बिक्री का करीब पांचवां हिस्सा केवल दो प्रमुख ग्राहकों से आया है, जो राजस्व एकाग्रता का संकेत देता है। वित्तीय चुनौतियों के अलावा, एंथ्रोपिक को अपनी एआई सेवाओं के विस्तार के लिए पर्याप्त क्लाउड क्षमता हासिल करने में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। एडब्ल्यूएस, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां एंथ्रोपिक केवल एक ग्राहक के बजाय एक संभावित प्रतिस्पर्धी के रूप में देख रही हैं। इस समस्या से निपटने के लिए, कंपनी अब डेटा सेंटर लीज पर लेने और थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर ऑपरेटरों के साथ भी काम कर रही है। हाल ही में, अमेरिकी एआई कंपनी ने स्वीकार किया था कि उसके क्लाउड एआई मॉडल ने कुछ बाहरी संगठनों, जिसमें अमेरिका की कुछ सरकारी वेबसाइटें भी शामिल थीं, पर अनजाने में कई कार्रवाइयां की थीं। इन घटनाओं के बाद व्हाइट हाउस ने एआई कंपनियों को अपने सिस्टम की सुरक्षा मजबूत करने का निर्देश दिया। एंथ्रोपिक ने बताया कि मॉडलों ने साधारण सॉफ्टवेयर कमजोरियों का फायदा उठाकर कमांड चलाए, अनाधिकृत फॉर्म जमा किए और सार्वजनिक डेटा तक पहुंच पाने के लिए प्रतिबंधों को दरकिनार किया। इन घटनाओं के मद्देनजर, एंथ्रोपिक ने अपने एआई मॉडलों के प्रशिक्षण और परीक्षण चरण के दौरान इंटरनेट एक्सेस के कुछ प्रकारों पर प्रतिबंध लगा दिया है। प्रभावित पक्षों के अनुरोध पर संबंधित संस्थाओं के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

गिरावट के साथ शेयर बाजार की शुरुआत

मुंबई। भारतीय शेयर बाजारों में गुरुवार का दिन निवेशकों के लिए भारी बिकवाली और निराशा लेकर आया। बेंचमार्क इंडेक्स गिरावट के साथ खुले और दिन भर बिकवाली का दबाव जारी रहा, जिससे सेंसेक्स 73,100 और निफ्टी 22,600 के महत्वपूर्ण स्तरों से नीचे फिसल गए। बाजार में चौतरफा कमजोरी देखी गई, जिसका मुख्य कारण वैश्विक कमजोर संकेत, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और घरेलू बॉन्ड यील्ड में उछाल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट में भी 1.3 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। बाजार में चौतरफा बिकवाली और सेक्टरों का हाल गुरुवार को भारतीय बाजारों में बिकवाली का सिलसिला इतना तेज था कि निफ्टी में शामिल 50 में से 47 शेयर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। पावरग्रिड, नेस्ले इंडिया, कोल इंडिया और हिंडाल्को जैसे दिग्गज शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई और ये टॉप लूजर रहे। वहीं एटरनल और एक्सिस बैंक के शेयर हल्की मजबूती के साथ टॉप गेनर बने रहे। सेक्टोरल मोर्चे पर, मेटल एफएमसीजी और ऑटो सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां निफ्टी मेटल, ऑटो और एफएमसीजी इंडेक्स 1 से 2 फीसदी से अधिक टूट गए। बाजार में बढ़ती अनिश्चितता का संकेत देते हुए इंडिया वीआईएक्स 5.3 फीसदी की मजबूती के साथ 16.50 के स्तर के करीब कारोबार कर रहा था। वैश्विक संकेत और घरेलू कारक बने दबाव का कारण बाजार में इस भारी गिरावट के पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारक जिम्मेदार हैं।

कतर, तुर्किये, पाकिस्तान और इंडोनेशिया के बीच रक्षा उद्योग को लेकर समझौता?

बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन हमलों से निपटने कतर नई साझेदारी की घोषणा करेगा

कतर। पश्चिम एशिया में ईरान के साथ जारी जंग के बीच कतर अपनी रक्षा ताकत बढ़ाने की तैयारी कर रहा है, जिसके तहत तुर्किये, पाकिस्तान, कतर और इंडोनेशिया के बीच रक्षा उद्योग में सहयोग को लेकर एक अहम समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। तुर्किये के रक्षा मंत्री यासर गुलेर मंगलवार को कतर पहुंचे और बुधवार को चारों देशों के बीच समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इस पहल में इंडोनेशिया की भागीदारी इसे खास बनाती है, इसमें सऊदी अरब शामिल नहीं है। यह समझौता रक्षा उद्योग में सहयोग बढ़ाने वाला करार है। यह नया समझौता मक्का पैक्ट से अलग है,



जिसमें सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान शामिल हैं और वह सामूहिक रक्षा पर केंद्रित है। कतर में होने वाली नई डील का घोषित मकसद रक्षा उद्योग में संयुक्त उत्पादन, तकनीक साझाकरण या रक्षा कंपनियों में निवेश जैसे विकल्प हो सकते हैं, हालांकि समझौते की पूरी जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस पहल के तहत तुर्किये और पाकिस्तान के साथ अब कतर और इंडोनेशिया भी रक्षा सहयोग के एक नए मंच पर साथ आ रहे हैं, जिससे एशिया और खाड़ी क्षेत्र के बीच रक्षा उद्योग के रिश्ते बढ़ते दिख रहे हैं। कतर के रक्षा मामलों के राज्य मंत्री शेख सऊद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने दोहा में बताया कि देश जल्द ही स्थानीय रक्षा उत्पादन केंद्र स्थापित करने की योजना घोषित करेगा। बता दें कतर अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे कई साझेदारों के साथ अपनी रक्षा क्षमता बढ़ाने और रक्षा कंपनियों में निवेश के अवसर तलाश रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कतर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और साइबर हमलों से निपटने की क्षमता मजबूत करने के लिए एक नई साझेदारी की घोषणा करेगा। ईरान के साथ अमेरिका-इजराइल की जंग ने कतर की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाया है, जिससे कतर अपनी रक्षा उत्पादन क्षमता विकसित करने पर जोर दे रहा है। भारत के लिए यह घटनाक्रम रणनीतिक रूप से अहम है, क्योंकि तुर्किये पहले से ही पाकिस्तान को ड्रोन और अन्य सैन्य उपकरण देता रहा है। यदि नई डील के तहत संयुक्त उत्पादन या तकनीक साझा करने की व्यवस्था बनती है, तो पाकिस्तान को रक्षा क्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। वहीं दूसरी तरफ, कतर भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए एलएनजी का एक अहम स्रोत है। वहां लंबे समय तक संघर्ष या समुद्री मार्गों में बाधा रहने से भारत की ऊर्जा आपूर्ति और कीमतें प्रभावित हो सकती हैं, इसलिए भारत को इस घटनाक्रम पर पैनी नजर रखनी होगी।

म्युचुअल फंड एनएफओ में सितंबर में बड़ी गिरावट

सितंबर में 67 फीसदी कम जुटाया, एसआईपी ने छुआ रिकॉर्ड स्तर

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड की नई स्कीमों (एनएफओ) में निवेश सितंबर महीने में नाटकीय रूप से गिरा है। अगस्त के मुकाबले लगभग 67 फीसदी की भारी कमी के साथ, नई स्कीमों ने केवल 2,372 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि पिछले महीने यह आंकड़ा 7,110 करोड़ रुपये था। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने रिकॉर्ड ऊंचाई छू ली है और इक्विटी म्युचुअल फंड्स में कुल शुद्ध प्रवाह भी बढ़ा है, जिससे निवेशकों की बदलती प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े हो गए हैं। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में 22 नई ओपन-एंडेड स्कीमों ने 2,372 करोड़ रुपए जुटाए, जो अगस्त में 26 स्कीमों द्वारा जुटाए गए 7,110 करोड़ रुपए से काफी कम है। यह स्थिति तब हैरान करती है जब सितंबर में इक्विटी म्युचुअल फंड्स में शुद्ध प्रवाह लगभग 31 फीसदी बढ़कर 38,307 करोड़ रुपए रहा और एसआईपी के माध्यम से रिकॉर्ड 32,490 करोड़ रुपए का निवेश आया। श्रेणीवार देखें तो, इक्विटी, हाइब्रिड और डेट तीनों ही एनएफओ कैटेगरी के कलेक्शन में भारी गिरावट दर्ज की गई। इक्विटी एनएफओ का कलेक्शन 3,051 करोड़ रुपए से घटकर 998 करोड़ रुपए रह गया, जबकि हाइब्रिड और डेट एनएफओ में भी समान रुझान दिखा। हालांकि, इंडेक्स फंड्स में एनएफओ की संख्या और कलेक्शन दोनों में बढ़ोतरी देखी गई। विशेषज्ञ मानते हैं कि निवेशक अब पुराने और स्थापित फंड्स को तरजीह दे रहे हैं, जिनका पिछला प्रदर्शन उन्हें बेहतर मूल्यांकन का आधार देता है। निवेशकों को एनएफओ में निवेश से पहले उसकी रणनीति, जोखिम और लागत को समझने की सलाह दी जाती है।

रुपया 12 पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे टूटकर 94.50 प्रति डॉलर पर खुला। बाजार के जानकारों के मुता?बिक घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से घरेलू मुद्रा पर दबाव देखा रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.47 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह और कमजोर होकर 94.50 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे कम है। रुपया बुधवार को 53 पैसे मजबूत होकर 94.38 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

महंगी विदेश यात्रा से बढ़ा घरेलू पर्यटन

नई दिल्ली। त्योहारों के इस मौसम में महंगी विदेश यात्रा और देश में घूमने की बढ़ती दिलचस्पी के कारण घरेलू पर्यटन में उछाल आया है। कई राज्य इस मौके को भुनाने के लिए विशेष पैकेज, प्रचार अभियान और नए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देकर पर्यटकों को आकर्षित करने में जुटे हैं। केरल बेहतर अनुभव देने के लिए विशेष पर्यटन पैकेज पेश कर रहा है, उत्तर प्रदेश ने 'विजिट माई स्टेट' अभियान शुरू किया है, और राजस्थान सरकार एडवेंचर टूरिज्म, डेजर्ट सफारी तथा ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। भारत में घरेलू पर्यटकों की यात्राओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है; वर्ष 2025 में इसके 4.28 अरब तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2024 के 2.9 अरब से लगभग डेढ़ गुना अधिक है। 2011 से 2024 के बीच घरेलू यात्राओं में सालाना औसतन 9.89 फीसदी की वृद्धि हुई है। विदेश यात्राओं की लागत में 20-30 फीसदी की बढ़ोतरी, वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विमानन कंपनियों द्वारा उड़ानों में कटौती जैसे कारणों से हवाई यात्रा महंगी हो गई है, जिससे लोगों का ध्यान देश के भीतर यात्रा विकल्पों की ओर अधिक हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देखो अपना देश की अपील भी घरेलू पर्यटन को बढ़ावा दे रही है। इसके अलावा अब पर्यटक पारंपरिक स्थलों के बजाय नए और अलग तरह के अनुभवों की तलाश कर रहे हैं।



नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आगामी 14 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित होने वाले 45 वें 'भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले' में छत्तीसगढ़ की भागीदारी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

पोस्ट ऑफिस एफडी स्कीमः 3 साल के लिए 5 लाख जमा करने पर मिलेंगे 6.18 लाख

नई दिल्ली। शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से दूर, सुरक्षित और तय रिटर्न की तलाश करने वालों के लिए पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट (पीओटीडी) एक आकर्षक विकल्प है। भारत सरकार द्वारा समर्थित यह योजना बैंक एफडी की तरह ही काम करती है, जहाँ आपका निवेश पूरी तरह सुरक्षित रहता है और आपको निश्चित ब्याज मिलता है। यह सरकारी स्कीम भारत की छोटी बचत योजनाओं का हिस्सा है, जिसमें जमा आपका पूरा पैसा सुरक्षित रहता है। आप इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए से निवेश शुरू कर सकते हैं और अधिकतम की कोई सीमा नहीं है। इसमें जमा पूंजी पर बाजार के जोखिमों का कोई असर नहीं होता, क्योंकि ब्याज दर पहले से तय होती है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट में अलग-अलग अवधियों के लिए ब्याज दरें अलग होती हैं। वर्तमान में एक साल के लिए 6.90 फीसदी, दो साल के लिए 7.00 फीसदी, तीन साल के लिए 7.10 फीसदी और 5 साल की अवधि पर सबसे ज्यादा 7.50 फीसदी वार्षिक ब्याज मिलता है। निवेश से पहले संबंधित पोस्ट ऑफिस में ताजा दरों की पुष्टि अवश्य करें। उदाहरण के लिए, अगर आप तीन साल के लिए 5 लाख रुपए निवेश करते हैं, तो 7.10 फीसदी की दर से आपको मैच्योरिटी पर कुल 6,18,304 रुपए मिलेंगे, जिसमें 1,18,304 रुपए केवल ब्याज शामिल होगा। टैक्स छूट की बात करें, तो केवल 5 साल की पीओटीडी पर ही आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत 1.5 लाख तक की कटौती का लाभ मिलता है। 3 साल की एफडी पर यह छूट लागू नहीं होती है। टैक्स नियम आपकी चुनी हुई कर व्यवस्था पर भी निर्भर करते हैं।

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता दैनिक
राष्ट्रीय गरिमा
राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

मास्टर प्लान को लेकर मिसरोद में रहवासी और किसान सड़क पर उतरे

कृषि भूमि को रिवरफ्रंट, फॉरेस्ट, ग्रीन बेल्ट और अन्य श्रेणियों में शामिल करने का विरोध

भोपाल। भोपाल विकास योजना-2047 के प्रारूप को लेकर गुरुवार को किसानों और शहर के रहवासियों ने विरोध जताया। मुगालिया छाप सहित आसपास के गांवों के किसान कृषि भूमि को रिवरफ्रंट, फॉरेस्ट, ग्रीन बेल्ट और अन्य आरक्षित श्रेणियों में शामिल करने के प्रस्ताव के विरोध में पैदल मार्च कर भोपाल पहुंचे। पुलिस ने नीलबड़ में बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक दिया, जिसके बाद किसान सड़क पर धरने पर बैठ गए। किसानों ने भू-उपयोग संबंधी प्रस्तावों पर पुनर्विचार करने और दावे-आपत्तियां दर्ज कराने की समयसीमा एक महीने बढ़ाने की मांग की। दूसरी ओर, मिसरोद के रहवासियों ने पुरानी आबादी के बीच से प्रस्तावित 45 मीटर चौड़ी सड़क को योजना से हटाने की मांग उठाई। वहीं, संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति के नेतृत्व में विभिन्न कॉलोनियों के रहवासी मास्टर प्लान के प्रारूप पर आपत्तियां दर्ज कराने



टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएनसीपी) कार्यालय पहुंचे। रहवासियों के मुताबिक,करीब 2 हजार आपत्तियां जमा कराई गई हैं। इनमें तालाबों, जंगलों, पर्यावरण और आवासीय क्षेत्रों के संरक्षण के साथ आवासीय परिसरों में व्यावसायिक गतिविधियों के नियमितीकरण संबंधी प्रावधानों पर भी सवाल उठाए गए हैं। किसानों का कहना है कि भोपाल विकास योजना-2047 के प्रारूप में 66 गांवों की कृषि भूमि को विभिन्न आरक्षित श्रेणियों में शामिल करने के प्रस्ताव से खेती और आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। किसानों के अनुसार, इन जमीनों पर वर्षों से खेती हो रही है और अनेक परिवारों की आय का प्रमुख साधन कृषि है। उनका आरोप है कि बड़ा तालाब के संरक्षण के नाम पर कृषि भूमि के भू-उपयोग में बदलाव की व्यवस्था की जा रही है। किसान अनोखी सिंह पटेल ने भोजताल इन्फ्लुएंस जोन-1 (बीआईजेड-1) और जोन-2 (बीआईजेड-2) से जुड़े प्रावधानों पर पुनर्विचार करते हुए कृषि भूमि का उपयोग कृषि के लिए ही सुरक्षित रखने की मांग की। किसानों का कहना है कि वर्ष 1995 के मास्टर प्लान में इन जमीनों का उपयोग कृषि निर्धारित था। वर्ष 2031 की योजना के प्रारूप में भी कृषि उपयोग का प्रावधान होने की बात वे कह रहे हैं, हालांकि वह मास्टर प्लान निरस्त हो गया था। संयुक्त किसान मोर्चा के मनोहर सिंह ठाकुर ने कहा कि भोपाल और सीहोर के करीब 150 गांवों की जमीन पर लगे प्रतिबंधों का विरोध वर्ष 2008 से किया जा रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि नए प्रारूप को तैयार करने से पहले ग्राम पंचायतों और ग्रामसभाओं की सहमति नहीं ली गई, जबकि उनकी अपेक्षा थी कि भू-उपयोग में बदलाव से पहले स्थानीय स्तर पर चर्चा की जाएगी। किसानों की मांग है कि पहले प्रभावित 66 गांवों में ग्रामसभाएं आयोजित की जाएं। इनमें मास्टर प्लान के प्रावधानों पर चर्चा कर किसानों की आपत्तियां सुनी जाएं और उसके बाद ही कृषि भूमि के भू-उपयोग में बदलाव पर निर्णय लिया जाए। किसानों ने दावे-आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि एक महीने बढ़ाने की भी मांग की, ताकि प्रभावित परिवार प्रारूप का अध्ययन कर सकें और अपने सुझाव दे सकें। फंदा ब्लॉक के जनपद सदस्य विनोद पाटीदार ने कहा कि किसान अनाज पैदा कर अपना और दूसरों का पेट पालते हैं।

मृतकों के परिजनों को 25 लाख मुआवजा दें, जिम्मेदारों पर हो कार्रवाई : कांग्रेस



जीतू पटवारी ने एम्स भोपाल पहुंचकर ग्वालियर हादसे में घायलों से की मुलाकात

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी गुरुवार को भोपाल स्थित एम्स पहुंचकर ग्वालियर सड़क हादसे में घायल श्रद्धालुओं से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य और उपचार की जानकारी ली। उन्होंने पीड़ित परिवारों से भी चर्चा की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान उन्होंने हादसे में 16 लोगों की मौत को दुखद बताते हुए घटना के लिए प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाए और मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की। जीतू पटवारी ने कहा कि इस हादसे ने कई परिवारों को गहरा दुख पहुंचाया है। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट करना पड़ा। उन्होंने कहा कि घटना की परिस्थितियों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि हादसे के कारणों का पता चल सके और यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश में हाल के दिनों में हुई विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत, बालाघाट हादसा, इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतें, सागर का शराब कांड, ग्वालियर सड़क हादसा और बैतूल में खाटू श्याम दर्शन के लिए जा रहे परिवार के साथ हुई दुर्घटना जैसी घटनाएं नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाती हैं। उन्होंने सरकार से इन मामलों में प्रभावित परिवारों को उचित सहायता, बेहतर उपचार और न्याय सुनिश्चित करने की मांग की। पटवारी ने कहा कि ग्वालियर हादसे में मृतकों के प्रत्येक परिवार को कम से कम 25-25 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाना चाहिए। घायलों के इलाज का पूरा खर्च भी सरकार को उठाना चाहिए। उनके अनुसार, पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता देने के साथ ही हादसे के कारणों की जांच और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी हादसे के बाद राहत देने तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़क सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं और प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत करना भी जरूरी है। उन्होंने मांग की कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर जिम्मेदारी तय की जाए और सुरक्षा व्यवस्था में कमियों को दूर किया जाए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, संगठन उपाध्यक्ष सुखदेव पांसे, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, पूर्व प्रवक्ता अभिनव बरोलिया, महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष विभा पटेल, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष अभिषेक परमार, जिला संगठन महामंत्री अभिषेक शर्मा सहित कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चीनी पटाखों और उड़ने वाली लालटेन से आगजनी का खतरा

सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के निर्देशों का पालन कराने की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश में प्रतिबंधित पटाखों और कथित फर्जी ग्रीन पटाखों की बिक्री के विरोध में नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच सहित विभिन्न जनसंगठनों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। जबलपुर में मंच के अध्यक्ष डॉ.पीजी नाजपांडे के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इसमें अवैध पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि शहर में खतरनाक चीनी पटाखों और हवा में उड़ने वाली लालटेन का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने के साथ ही घनी आबादी वाले क्षेत्रों में आगजनी की आशंका भी बढ़ रही है। जनसंगठनों ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के 12 मई 2026 और सुप्रीम कोर्ट के 29 अक्टूबर 2021 के आदेशों का हवाला देते हुए संबंधित दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि न्यायालयों के निर्देशों के अनुरूप पटाखों की रासायनिक और ध्वनि स्तर संबंधी तकनीकी जांच सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसके साथ ही पटाखा कारोबारियों से सुरक्षा संबंधी अंडरटेकिंग लेने और बाजार में बिकने वाले उत्पादों की नियमित निगरानी करने की आवश्यकता बताई गई। मंच ने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर इन प्रक्रियाओं का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं होने से प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। जनसंगठनों ने त्योहारी सीजन में अवैध पटाखों की बिक्री रोकने के लिए विशेष उड़नदस्ते गठित करने, पटाखा दुकानों की जांच कराने और नियमों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि प्रतिबंधित पटाखों और उड़ने वाली लालटेन के इस्तेमाल की अनदेखी आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है। कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

अतिक्रमण के खिलाफ निगम की कार्रवाई जारी,कई क्षेत्रों से ठेले-गुमठियां हटाईं

निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई

भोपाल। नगर पालिक निगम भोपाल द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। सीएम हेल्पलाइन, महापौर हेल्पलाइन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण और नियमित कार्रवाई के तहत निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने गुरुवार को शहर के कई इलाकों में कार्रवाई कर सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थानों पर किए गए अतिक्रमण हटाए। इस दौरान ठेले, गुमठियां, अस्थायी छप्पर, चबूतरों पर किए गए अतिक्रमण, दुकानों के बाहर रखा सामान और आवागमन में बाधक वाहन हटाए गए। निगम अमले ने विभिन्न स्थानों से अतिक्रमण संबंधी सामग्री भी जब्त की। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर गुरूवार को अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने रोशनपुरा, जीटीबी कॉम्प्लेक्स, टीटी नगर थाना, नेहरू नगर, भदभदा, सूरज नगर, बैरागढ़ मछली मार्केट, सीहोर नाका,भैंसाखेड़ी, बैरागढ़, एयरपोर्ट रोड, गांधी नगर,करोद,नवीबाग, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पीपल चौराहा, दशहरा मैदान, अवधपुरी, बीडीए रोड, पटेल नगर, गायत्री अस्पताल, इंद्रपुरी सी सेक्टर, बरखेड़ी, जहांगीराबाद,भोपाल टॉकीज,डीआईजी बंगला, इंदिरा नगर,हमीदिया रोड, मरघटिया मंदिर, हमीदिया अस्पताल,करबला, शहीद नगर, ईदगाह हिल्स, रेतघाट, कमला पार्क, रवींद्र भवन, लिंक रोड नंबर 1, 2 एवं 3, पीएंडटी चौराहा, गीतांजलि कॉम्प्लेक्स, जवाहर चौक,भीम नगर और एमपी नगर जोन-1 सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान निगम अमले ने अस्थायी रूप से बनाए गए टपरे और छप्पर, चबूतरों पर किए गए अतिक्रमण, फुटपाथ पर लगाई गई दुकानों, कुर्सियों, टेबल, कैरेट, पिंजरा स्टैंड, पान पार्लर,आइसक्रीम की गाड़ियों तथा दुकानों के बाहर रखे सामान को हटाया। पटेल नगर में चाय की दुकान का अस्थायी टपरा और एयरपोर्ट रोड पर अवैध रूप से बनाए गए चार छप्पर हटाए गए। विभिन्न स्थानों से ठेले, गुमठियां, लोहे के पाइप के टुकड़े और लूज पन्नी भी जब्त की गई। साथ ही आवागमन में बाधक वाहनों को हटाने की कार्रवाई के तहत नेहरू नगर से दो चारपहिया वाहन, पीएंडटी चौराहा-गीतांजलि कॉम्प्लेक्स क्षेत्र से पांच, बैरागढ़ मछली मार्केट से चार, करोद दशहरा मैदान के अंदर से आठ तथा शहीद नगर से पांच चारपहिया वाहन हटवाए गए। इसके अलावा नवीबाग क्षेत्र से एक आइसक्रीम की गाड़ी भी हटाई गई।

31 पशुओं को कांजी हाउस व 01 पशु को आसरा भेजा

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में भेजने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में



निगम के गौवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने गुरूवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले 31 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में एवं बीमार/घायल 01 पशु को आसरा पशु चिकित्सालय भेजने की कार्यवाही की जबकि निगम की हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हांककर हटाया। निगम अमले ने 20 पशुओं को गौशाला भेजने की कार्यवाही भी की। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देष पर निगम की गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने शहर के पलाश होटल, दशहरा मैदान, ताज होटल, माता मंदिर, कोलार रोड, शाहपुरा, चूना भट्टी, लिंक रोड नं. 01, अटल भवन, एम.पी.नगर, बिट्टन मार्केट, छोला दशहरा मैदान, भानपुर मंडी, बैरागड़, जंबूरी मैदान, अन्ना नगर, खटलापुरा विसर्जन घाट, रानी कमलापति विसर्जन घाट, मालीखेड़ी विसर्जन घाट, बैरागढ़ विसर्जन घाट आदि क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को पकड़ने के सघन अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए 31 पषुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में एवं बीमार/घायल 01 पशु को आसरा पशु चिकित्सालय भेजने की कार्यवाही की जबकि निगम की हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हांककर हटाया। निगम अमले ने 20 पशुओं को गांधी नगर कांजी हाउस से गोसाई बाबा नीलबढ़ गौशाला भेजने की कार्यवाही भी की।

लोकतंत्र बचाओ-भीड़तंत्र हटाओ अभियान बूथ स्तर तक पहुंचाएंगे : हेमंत खंडेलवाल

मध्यप्रदेश में विधानसभा स्तर पर पदयात्राएं और युवाओं के बीच होंगे कई कार्यक्रम

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'लोकतंत्र बचाओ-भीड़तंत्र हटाओ' अभियान की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भी दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से बैठक में शामिल हुए। 24 अक्टूबर से 5 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान के लिए प्रदेश स्तर पर टोली गठित की गई है। विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए अलग-अलग टोलियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) सहित अन्य विषयों को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता तथ्यों के साथ जनता के बीच पहुंचकर इन आरोपों का जवाब दें और लोगों को वास्तविक स्थिति से अवगत



कराएं। उन्होंने कहा कि अभियान को बूथ स्तर तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। पार्टी कार्यकर्ता जनसंपर्क के माध्यम से समाज के सभी वर्गों तक पहुंचकर लोकतांत्रिक संस्थाओं के महत्व और उनकी मजबूती पर संवाद करेंगे। खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए भी लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थाओं को कमजोर किया और अब विपक्ष में रहते हुए लोकतंत्र से जुड़े विषयों पर भ्रम फैला रही है। उन्होंने कहा कि एसआईआर,चुनाव आयोग और चुनाव प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस नेताओं की ओर से उठाए जा रहे सवालों के जवाब में भाजपा तथ्यों के साथ जनता के बीच जाएगी। इसके लिए जनसंवाद,साहित्य वितरण,मीडिया और सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जाएगा। प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि अभियान के माध्यम से पार्टी को अपना पक्ष प्रभावी ढंग से जनता के सामने रखना है। इसके लिए कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से संवाद करें और लोकतंत्र, चुनाव आयोग तथा मतदाता सूची से जुड़े विषयों पर तथ्यों के आधार पर जानकारी दें। उन्होंने आपातकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान मीडिया पर सेंसरशिप लगाई गई थी और कई निर्वाचित राज्य सरकारों को बर्खास्त किया गया था। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इन ऐतिहासिक घटनाओं के संदर्भ में जनता के बीच संवाद करने का आह्वान किया। चंद्रशेखर ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए संगठन की विभिन्न टोलियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। युवा वर्ग, विद्यार्थियों और प्रबुद्धजनों के बीच संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में चर्चा के साथ विधानसभा एवं लोकसभा स्तर पर जनसंपर्क गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान के तहत जिला और विधानसभा स्तर पर 'लोकतंत्र बचाओ-भीड़तंत्र हटाओ' पदयात्राएं निकाली जाएंगी।

स्वामित्व योजना ने पकड़ी रफ्तार अब तक 1 लाख 60 हजार से अधिक रजिस्ट्रियां

मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों में मिल रहे ग्रामीणों को स्वामित्व के वैधानिक दस्तावेज

भोपाल। मध्यप्रदेश में स्वामित्व योजना में ग्रामीणों को उनकी संपत्ति के स्वामित्व संबंधी वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध कराने का कार्य निरंतर जारी है। प्रदेश के सभी 55 जिलों में अब तक कुल 1 लाख 60 हजार 230 रजिस्ट्रियां पूर्ण की जा चुकी हैं। योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी भूमि पर स्थित मकानों एवं भूखंडों के स्वामित्व संबंधी अभिलेख तैयार कर पात्र हितग्राहियों को उनकी संपत्ति पर अधिकार का प्रमाण पत्र सौंपा जा रहा है। सभी 55 जिलों में ग्रामीणों को स्वामित्व के वैधानिक दस्तावेज प्रदान किए जा रहे है। स्वामित्व योजना में अब तक छिंदवाड़ा जिला 8,530 रजिस्ट्रियां पूर्ण कर प्रदेश मे शीर्ष पर है। इसके बाद रीवा में 7,563, सागर में 7,289, राजगढ़ में 6,285, छतरपुर में 6,128, नरसिंहपुर में 6,042, सतना में 5,620, शिवपुरी में 5,131, विदिशा में 4,850, सिवनी में 4,736, जबलपुर में 4,269 और ग्वालियर में 3,925 रजिस्ट्रियां पूर्ण हो चुकी हैं। बैतूल में 3,864, मंदसौर में 3,831, मंडला में 3,636, नर्मदापुरम में 3,624, सीहोर में 3,534, रायसेन में 3,159, कटनी में 2,971, बालाघाट में 2,913, गुना में 2,883, नीमच में 2,786, धार में 2,777, उज्जैन में 2,725, मैहर में 2,634, डिंडोरी में 2,534, मुरैना में 2,521, खंडवा में 2,370, श्योपुर में 2,354, बड़वानी में 2,339, टीकमगढ़ में 2,321, हरदा में 2,237, शाजापुर में 2,012, देवास में 1,987, दमोह में 1,873, खरगोन में 1,843 और आगर-मालवा में 1,755 रजिस्ट्रियां दर्ज की गई हैं। इसके अतिरिक्त सीधी में 1,738, दतिया में 1,608, भिंड में 1,561, झाबुआ में 1,538, निवाड़ी में 1,493, बुरहानपुर में 1,308, पन्ना में 1,278, शहडोल में 1,257, रतलाम में 1,122, भोपाल में 967, उमरिया में 903, इंदौर में 883, अनूपपुर में 853, आलीराजपुर में 786, मऊगंज में 689 और पांढुर्णा में 666 रजिस्ट्रियां पूर्ण की जा चुकी हैं। स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित मकानों और भूखंडों का आधुनिक ड्रोन तकनीक के माध्यम से सटीक सर्वेक्षण किया जाता है, जिसके आधार पर संपत्ति संबंधी अभिलेख तैयार होते हैं। इन अभिलेखों के आधार पर पात्र ग्रामीणों को स्वामित्व के वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का स्पष्ट कानूनी अधिकार प्राप्त होता है, जो बैंक ऋण सहित अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है।

निगम आयुक्त ने निगम के स्वास्थ्य, यांत्रिक, उद्यान, भवन अनुज्ञा आदि विभागों के अधिकारियों को बैठक में दिए निर्देश

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने निगम के स्वास्थ्य, यांत्रिक, उद्यान, भवन अनुज्ञा एवं अन्य विभागों के अधिकारियों की बैठक आहूत कर साफ-सफाई से संलग्न पूरी टीम को प्रात: 06:00 बजे से कार्य स्थल पर क्रियाशील रखने, सेंट्रल वर्ज, साईड वर्ज, गमलों आदि की साफ-सफाई एवं व्यवस्थिकरण के साथ ही शहर की स्वच्छता को और अधिक बेहतर बनाने, सेंट्रल वर्ज, साईड वर्ज, गमलों आदि पर पेंट कराने के निर्देश दिए साथ ही वायु प्रदूषण को रोकने के दृष्टिगत साफ-सफाई कार्य में तथा निर्माण स्थलों पर निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित कराकर धूल न उ?ने देने की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा मानक स्तर की गुणवत्ता के अनुरूप निर्माण कार्य कराने, स?कों की मरम्मत एवं गढ्ढे भराने का कार्य शीघ्रता से कराने के निर्देश दिए। बैठक में अपर आयुक्त श्री अमन मिश्रा, उपायुक्त श्री हीरेन्द्र सिंह कुशवाह व श्री चंचलेश गिरहारे, मुख्य अभियंता श्री संतोष गुप्ता, अधीक्षण यंत्री श्री आर.आर.जरोलिया के अलावा कार्यपालन यंत्रीगण, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी व अन्य अधिकारी उपस्थित थे। निगम आयुक्त श्री रामप्रकाश अहिरवार ने गुरूवार को निगम मुख्यालय अटल भवन स्थित आयुक्त कक्ष में निगम अधिकारियों की बैठक आहूत की और स्वच्छता से संबंधित अधिकारियों से शहर की साफ-सफाई व्यवस्था, कचरा एकत्रीकरण, निष्पादन आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की साथ ही सेंट्रल वर्ज, साईड वर्ज व उद्यानों आदि में उद्यानिकी कार्यों तथा वर्षा के दौरान खराब हुई स?कों व स?कों की मरम्मत व गड्ढे आदि भरने के संबंध में भी विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की।

भोपाल में हाउसिंग बोर्ड के जर्जर मकानों का होगा पुनर्निर्माण : मंत्री सारंग

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को मंत्रालय स्थित प्रतिकक्ष में मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष ओम जैन सहित नगर निगम, राजस्व एवं पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर भोपाल में हाउसिंग बोर्ड के जर्जर, जीर्ण-शीर्ण एवं क्षतिग्रस्त मकानों के पुनर्निर्माण को लेकर दिशा-निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हाउसिंग बोर्ड के ऐसे मकानों के पुनर्विकास के लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार की जाए और निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जर्जर अवस्था में मौजूद ऐसे भवन, जिनसे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है, उनके पुनर्निर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। मंत्री सारंग ने स्पष्ट किया कि किसी भी संभावित दुर्घटना से पहले जर्जर आवासों के पुनर्निर्माण की दिशा में ठोस कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से आवश्यक कदम उठाएं, ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ उन्हें बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जर्जर एवं क्षतिग्रस्त भवनों की स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई की जाए तथा उनके पुनर्निर्माण की कार्ययोजना शीघ्र तैयार कर उसे अमल में लाया जाए।

मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने की केंद्रीय मंत्री सिंधिया से मुलाकात

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले की सुरखी विधानसभा क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं के विस्तार और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री तथा सुरखी विधायक गोविंद सिंह राजपूत लगातार प्रयासरत हैं। इसी क्रम में मंत्री राजपूत ने गुरुवार को केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया से मुलाकात कर सुरखी विधानसभा क्षेत्र के बिलहरा, राहतगढ़, सुरखी और सीहोरा में डाक विभाग के माध्यम से आधार केंद्र प्रारंभ कराने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने सागर जिले में नवनिर्मित क्षेत्रीय ट्रांसपोर्ट हब के लोकार्पण के लिए केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया को आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का अनुरोध किया। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया को अवगत कराया कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र के अनेक ग्रामीणों को आधार कार्ड बनवाने, उसमें संशोधन कराने और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख करना पड़ता है। इससे लोगों का समय और धन दोनों खर्च होते हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बुजुर्गों, महिलाओं, विद्यार्थियों और जरूरतमंद परिवारों को आधार संबंधी कार्यों के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि बिलहरा, राहतगढ़, सुरखी और सीहोरा में आधार केंद्र प्रारंभ हो जाते हैं, तो आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही आधार संबंधी सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

दिग्विजय सिंह कर रहे हैं बेटे को आगे बढ़ाने की कोशिश : पन्नालाल

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' को लेकर सियासत तेज हो गई है। गुना से भाजपा विधायक पन्नालाल शाक्य ने यात्रा पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि दिग्विजय सिंह अपने बेटे जयवर्धन सिंह को राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से पदयात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह को अपने बेटे को अपनी मेहनत के दम पर आगे बढ़ने का अवसर देना चाहिए। उज्जैन में महाकाल दर्शन के दौरान गमछे से जुड़े घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए शाक्य ने दिग्विजय सिंह पर धार्मिक प्रतीकों के सम्मान को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि उन्हें महाकाल का गमछा स्वीकार नहीं था, तो यात्रा की शुरुआत जावरा या अजमेर से करनी चाहिए थी। शाक्य ने कहा कि महाकाल की नगरी से यात्रा शुरू करने के दौरान धार्मिक प्रतीकों के प्रति सम्मान का ध्यान रखा जाना चाहिए। भाजपा विधायक ने आरोन क्षेत्र में जमीन और कब्रिस्तान से जुड़े विवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि जोगियों की जमीन पर कब्रिस्तान बनाए जाने के मामले में प्रभावशाली लोगों की भूमिका रही है।